●वर्ष : 16 ●अंक : 264 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक
लोकतंत्र की शान
लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

गुरुवार 16 जनवरी 2025

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen . (9315755133 / ya email Karen) angenpharmaceuticals@gmail.com

समाचार

कानून के विपरीत दलीलें बर्दाश्त नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) को फटकार लगाई है. अदालत ने महिला की जमानत याचिका में कानून के विपरीत दलीलें देने पर ED को जमकर आलोचना की. कोर्ट ने एऊ के तर्कों को अस्वीकार करते हुए इस पर सख्त प्रतिक्रिया व्यक्त की। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) को कड़ी फटकार लगाई है और कहा कि वह केंद्र की ओर से कानून के विपरीत कानूनी दलीलें बर्दाश्त नहीं करेगा. कोर्ट ने एऊकी यह दलील खारिज करते हुए टिप्पणी की कि धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) की धारा 45 के प्रावधान किसी महिला पर लागू नहीं होंगे। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा, "हम केंद्र की ओर से कानून के विपरीत दलीलें देने के आचरण को बर्दाश्त नहीं करेंगे." उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की मंशा यह प्रतीत होती है कि किसी भी तरह से जमानत से इनकार किया जाए, जिसके कारण इस तरह की दलीलें दी जा रही हैं। इससे पहले, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) सत्यदर्शी संजय ने मामले में दलील दी थी, जबकि अब एसजी तुषार मेहता ने इस मामले में पेश होकर कहा कि यह धारा महिलाओं पर लागू होती है. सुप्रीम कोर्ट ने इस पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा।

अरविंद केजरीवाल पर अचानक हमलावर क्यों हो गए हैं राहुल गांधी

क्या दिल्ली में खड़ी हो पाएगी कांग्रेस

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। "क्या हाल बना दिया देश का. अभी राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त कर दी इन लोगों ने. डरते हो तुम लोग. भारत के इतिहास में सबसे भ्रष्ट प्रधानमंत्री में कोई अगर हुआ है... जो 12वीं पढ़ा है. कोई सबसे कम पढ़ा लिखा प्रधानमंत्री हुआ है तो वह नरेंद्र मोदी हैं। "डरा हुआ तानाशाह, एक मरा हुआ लोकतंत्र बनाना चाहता है. मीडिया समेत सभी संस्थाओं पर कब्जा, पार्टियों को तोड़ना, कंपनियों से हफ्ता वसूली, मुख्य विपक्षी दल का अकाउंट फ्रीज करना भी असुरी शक्ति के लिए कम था, तो अब चुने हुए मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी भी आम बात हो गई है. इंडिया इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। ऊपर दिए गए दो बयान आप नेता अरविंद कजेरीवाल और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हैं. पहला बयान केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा में दिया था. यह तब का है जब एक अदालती फैसले के बाद राहुल गांधी की संसद की सदस्यता छीन ली गई थी. वहीं दूसरा बयान राहुल गांधी ने तब दिया था, जब तथाकथित शराब घोटाले में दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया गया था।

>>> अरविंद केजरीवाल पर राहुल गांधी का हमला

अब एक तीसरा बयान देखिए, "ये है केजरीवाल जी की ह्यचमकती' दिल्ली - पेरिस वाली दिल्ली!"राहुल गांधी ने यह बयान दिल्ली का एक वीडियो सोशल

मीडिया साइट एक्स पर लिखा था। यह बयान यह दिखाने के लिए काफी है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के रिश्ते किस कदर बिगड़ चुके हैं।

राहुल गांधी का ताजा बयान यह दिखाता है कि कांग्रेस दिल्ली विधानसभा चुनाव में मजबूती से उतर चुकी है, जहां उसे पिछले दो विधानसभा चुनावों में शून्य हाथ लगा था. राहुल गांधी ने बीते हफ्ते दिल्ली के सीलमपुर में आयोजित रैली में कहा था कि उनके लिए पीएम नरेंद्र मोदी और अरविंद केजरीवाल में कोई अंतर नहीं हैं. यह पहला बार था, जब कांग्रेस नेता ने अरविंद केजरीवाल पर सीधे हमला बोला था. यह हाल तब है जब अभी कुछ महीने पहले ही दोनों ही दलों ने दिल्ली में लोकसभा का चुनाव मिलकर लड़ा था. लेकिन दोनों एक सीट भी नहीं जीत पाए थे. इसके बाद दोनों दलों ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए समझौता करने से परहेज किया. हालांकि राहुल गांधी आप से समझौता चाहते थे. इसके बाद दोनों दलों ने दिल्ली विधानसभा का चुनाव अलग-अलग लड़ने का फैसला किया।

>> उनकी लड़ाई कांग्रेस बचाने की है, मेरी लड़ाई देश बचाने की है।

दिल्ली में आप के मजबूत होने का परिणाम है कि एक समय 40 फीसदी से अधिक का वोट बैंक रखने वाली कांग्रेस पांच फीसदी से भी नीचे आ गई है. यही वजह है कि कांग्रेस अपने खोए हुए वोट बैंक को हासिल करने के लिए जी-जान से चुनाव मैदान में आ गई है. ऐसे में अगर कांग्रेस अपना वोट बैंक बढ़ा पाने और कुछ सीटें जीतने में सफल होती है तो इसका सीधा नुकसान आप को ही उठाना पड़ेगा. दिल्ली के गरीब-गुरबा और मुसलमान कांग्रेस के वोटर रहे हैं। मुफ्त की बिजली-पानी की वजह से यह वोटर कांग्रेस से दूर जा चुका है। उसे वापस लाना कांग्रेस के लिए चुनौती है. वहीं कांग्रेस ने जिस तरह से संविधान का मुद्दा उठाया है, उससे मुसलमान वोटर उसकी ओर आकर्षित हुए हैं. यह लोकसभा चुनाव के परिणाम में नजर भी आता है। ऐसे में अगर दिल्ली में मुसलमान कांग्रेस की ओर गए तो नतीजे चौकाने वाले हो सकते हैं।

आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का संबंध

दिल्ली में आप और कांग्रेस की इस लड़ाई का संबंध केवल दिल्ली से नहीं है.यह लड़ाई पंजाब बाया गुजरात होते हुए आई है. दिल्ली में कांग्रेस को सबसे ज्यादा नुकसान आप ने ही पहुंचाया है. कांग्रेस के वोटों की बदौलत ही आप दिल्ली में ऐतिहासिक जीत हासिल करने में कामयाब रही है। वहीं पंजाब में आप और कांग्रेस का सीधा मुकाबला है तो गुजरात में आप ने 13 फीसदी वोट हासिल कर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया। वहीं हरियाणा के विधानसभा चुनाव में समझौता न होने की वजह से आप ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ा। वो कोई सीट तो नहीं जीत पाई, लेकिन कांग्रेस की जीत की संभावना को धूमिल जरूर कर दिया. यही वजह है कि कांग्रेस दिल्ली में आप के खिलाफ हमलावर है। हर छोड़ा-बड़ा नेता सीधे आम आदमी पार्टी पर ही अटैक कर रहा है. भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी आम आदमी पार्टी अब बचाव की मुद्रा में है।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

नई दिल्ली विधानसभा सीट पर फंस गए हैं केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल भले ही एक बार फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हो लेकिन इस बार वह बुरी तरह से फंसते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के मजबूती से दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारियों ने तो आम आदमी पार्टी सरकार की वापसी पर प्रश्नचिन्ह लगा ही दिया है लेकिन इस त्रिकोणीय लड़ाई में केजरीवाल की अपनी सीट भी फंसती हुई नजर आ रही है। अरविंद केजरीवाल इस बात को काफी पहले ही समझ गए थे, इसलिए वह लगातार इंडिया गठबंधन की एकता की बात उठाने लग गए थे। यहां तक कि केजरीवाल ने डीएमके सुप्रीमो एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, शरद पवार, अखिलेश यादव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई नेताओं से राहुल गांधी को समझाने की गुहार भी लगाई। लेकिन अरविंद केजरीवाल की असलियत से वाकिफ राहुल गांधी ने यह साफ कर दिया कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली में अपने आप को मजबूत करने के लिए चुनाव लड़ेगी। सीलमपुर की अपनी पहली चुनावी रैली में राहुल गांधी ने जिस अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ आप मुखिया अरविंद केजरीवाल, पर भी जमकर निशाना साधा,उससे यह साफ हो गया कि राहुल गांधी अपनी पार्टी को समाप्त कर केजरीवाल की मदद कतई नहीं करेंगे। कांग्रेस के इस स्टैंड ने अरविंद केजरीवाल की विधायकी पर भी तलवार लटका दिया है। केजरीवाल को अब यह डर सताने लगा है कि अब वह अपनी विधानसभा सीट 'नई दिल्ली' से भी चुनाव हार सकते हैं। केजरीवाल के इस डर के पीछे ठोस कारण है। अरविंद केजरीवाल वर्ष 2013 के अपने पहले विधानसभा चुनाव में दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव हराकर, पहले विधायक बने थे और फिर कांग्रेस के ही 8 विधायकों के समर्थन से पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे। बताया तो यहां तक जाता है कि 2013 में शीला दीक्षित को चुनाव हराने के लिए कांग्रेस के कई नेताओं ने भी अरविंद केजरीवाल की मदद की थी।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

न्यायालय के आदेश पर 41 करोड़ जमा करने की बजाय वापस ली याचिका

सर्वोच्च और उच्च न्यायालय का समय बर्बाद करने पर याचिकाकर्ता पर 5 लाख का जुर्माना

बैरागढ़ में जमीन नीलामी की प्रक्रिया को न्यायालय में दी थी चुनौती

■ भोपाल

मप्र उच्च न्यायालय ने भोपाल निवासी याचिकाकर्ता निखिल गांधी पर सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय का समय बर्बाद करने के मामले में 5 लाख का जुर्माना लगाया है। उच्च न्यायालय अपने आदेश में कहा कि जुर्माना राशि चार सप्ताह में हाईकोर्ट की विधिक सेवा समिति में जमा की जाए। निर्धारित अवधि में जुर्माना राशि जमा न करने पर रजिस्ट्रार जनरल उसकी वसूली करें। याचिकाकर्ता ने भोपाल के बैरागढ़ में सड़क विकास निगम द्वारा नीलाम की गई भूमि को लेकर न्यायालय में याचिका लगाई थी।

याचिकाकर्ता निखिल गांधी ने वर्ष 2022 में दायर याचिका में कहा गया था कि भोपाल के बैरागढ़ में स्थित सड़क विकास निगम की 6232 वर्ग मीटर जमीन के लिए उसने 29 करोड़ की बोली लगाई थी। सबसे अधिक बोली होने के बावजूद 21 करोड़ की बोली लगाने वाले व्यक्ति को जमीन प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। उच्च न्यायालय ने याचिका की सुनवाई करते हुए नीलामी प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। उच्च न्यायालय के इस फैसले के विरुद्ध सड़क विकास निगम ने सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर की थी। सर्वोच्च न्यायालय में निखिल गांधी ने जमीन के लिए 41 करोड़ 41 लाख का प्रस्ताव पेश किया था। जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश में कहा था कि सामान्य परिस्थिति में कानून के अनुसार आयोजित नीलामी में न्यायालय को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। विशिष्ट परिस्थिति में विशिष्ट उपाय होना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को भोपाल के बैरागढ़ स्थित सड़क विकास निगम की जमीन के लिए 41 करोड़ 41 लाख रुपये उच्च न्यायालय में 3 महीने के भीतर जमा करने के निर्देश दिए थे। बाद में याचिकाकर्ता निखिल गांधी ने राशि जमा नहीं की, बल्कि उच्च न्यायालय में लंबित याचिका वापस लेने का आग्रह किया। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालय का समय बर्बाद करने के कारण याचिकाकर्ता निखिल गांधी पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया।

दोनों शीर्ष न्यायालयों को किया गुमराह- सर्वोच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए उक्त राशि तीन माह में उच्च न्यायालय में जमा करने के आदेश जारी किए थे। याचिकाकर्ता ने निर्धारित अवधि में उक्त राशि जमा नहीं की। इसके स्थान पर हाई कोर्ट में लंबित याचिका वापस लेने का आग्रह किया। उच्च न्यायालय ने पांच लाख का जुर्माना लगाते हुए याचिका को निरस्त कर दिया।

3.50 करोड़ संत-श्रद्धालुओं ने किया त्रिवेणी में स्नान

मकर संक्रांति पर महाकुंभ में आस्था का महासमागम

■ महाकुम्भ नगर

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर महाकुम्भ 2025 में गंगा स्नान करने वालों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर एक भावपूर्ण पोस्ट के जरिए आस्था, समता और एकता के इस महासमागम में शामिल पूज्य संतों, कल्पवासियों और श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया। योगी ने महाकुंभ को सनातन धर्म की अनुपम शक्ति और आस्था का प्रतीक बताते हुए कहा, प्रथम अमृत स्नान पर्व पर आज 3.50 करोड़ से अधिक पूज्य संतों और श्रद्धालुओं ने अविरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया। उन्होने महाकुम्भ के प्रथम अमृत

स्नान पर्व के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित विभागों और संगठनों को धन्यवाद दिया। इस मौके पर उन्होंने प्रदेशवासियों और श्रद्धालुओं को अपनी शुभकामनाएं दीं और आस्था के इस महायज्ञ के सुचारु रूप से चलने की कामना करते हुए उन्होंने लिखा, 'पुण्य फलें, महाकुंभ चलें।'

भाजपा के 12 और जिलाध्यक्ष घोषित

रवि पांडे को शाजापुर की कमान

■ भोपाल

भाजपा ने जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा की श्रृंखला में मंगलवार देर रात 12 जिलाध्यक्षों के नाम और घोषित कर दिए हैं। शाजापुर से रवि पांडे जिला अध्यक्ष बनाए गए हैं। वहीं इस बार सागर जिले को दो हिस्सों में बांटकर शहरी और ग्रामीण जिलाध्यक्षों की घोषणा की गई है। सागर ग्रामीण से सुश्री रानी पटेल कुशवाहा को अध्यक्ष बनाया गया है। ग्वालियर से जयप्रकाश राजौरिया, जबलपुर से रत्नेश सोनकर, दतिया से रघुवीर शरण कुशवाहा को जिलाध्यक्ष घोषित किया गया है। बालाघाट से पूर्व मंत्री रामकिशोर कांवरे को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। भाजपा संगठन चुनाव में पिछले तीन दिन से लगातार जिलाध्यक्षों के नाम की घोषणा कर रही है। पहले दिन 2 जिलाध्यक्ष, सोमवार को 18 जिलाध्यक्ष और मंगलवार को 12 जिलाध्यक्ष घोषित किए हैं। अब तक 32 जिलाध्यक्षों के नाम घोषित हो चुके हैं।

रतलाम-शाजापुर में चली शीतलहर

■ मंगलवार

मध्यप्रदेश में पड़ रही कड़ाके ठंड के साथ ही अगले चौबीस घंटों के दौरान राज्य के कई स्थानों पर शीतलहर और कई स्थानों पर शीतल दिन रहा। राजधानी भोपाल सहित सीहोर, रतलाम व शाजापुर जिले में बीते चौबीस घंटों के दौरान शीत लहर का प्रभाव रहा। साथ ही राजगढ़, रतलाम, शहडोल, मलाजखंड (बालाघाट) में शीतल दिन रहा है। वहीं प्रदेश के रायसेन, धार, इंदौर, शाजापुर व उज्जैन जिले में तीव्र शीतल दिन रहा। इसके साथ ही राज्य के इंदौर, भोपाल, नर्मदापुरम, उज्जैन व जबलपुर में संभागों के जिलें में अधिकतम तापमान काफी गिरावट आयी। शहडोल संभाग में आने वाले जिले में दूसरे स्थानों की तुलना में न्यूनतम तापमान में काफी गिरावट दर्ज की गई। भोपाल स्थित मौसम विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने मौसम की गतिविधियों को देखते हुए चेतावनी दी है कि अगले चौबीस घंटों के दौरान प्रदेश छतरपुर, टीमकगढ़ व निवाड़ी जिले में घना कोहरा देखने को मिलेगा।

आयोजन | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए होगी गतिविधियां

हर गांव-शहर में 28 जनवरी तक मनेगा आनंद उत्सव

■ भोपाल

मध्य प्रदेश के हर गांव और शहर में मकर संक्राति से 28 जनवरी तक आनंद उत्सव का आयोजन होगा। इसमें खासकर दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए रोचक खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियां होगें। इससे इन लोगों के चेहरों पर मुस्कान होगी। इस उत्सव के आयोजन में सामाजिक संगठनों की भागीदारी रहेगी।

यह बात मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। उन्होंने कहा कि इस उत्सव में प्रचलित परंपरागत खेलकूद जैसे कबड्डी, खो-खो, बोरा रेस, पिट्ठु-

सितोलिया, नीबू दौड़ आदि होंगे। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे लोक संगीत, नृत्य, गायन, भजन, कीर्तन, नाटक समेत स्थानीय स्तर पर तय कार्यक्रम होंगे। इस उत्सव में समाज के सभी वर्गों जैसे महिला-पुरुष, सभी आयु वर्ग के नागरिक, दिव्यांग आदि शामिल हो सकेंगे। उत्सव में 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के महिला/पुरुषों, दिव्यांगों और बुजुर्गों की रूचि के अनुरूप गतिविधियां होगी। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया जाएगा।

सभी ओर खुशियां बिखरने और हर चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए राज्य सरकार के इस पहल में मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों से जुड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि परंपराओं और संस्कृति का संरक्षण राज्य सरकार का प्रण है। लोक-संस्कृति में रची-बसी गतिविधियों का सामुदायिक स्तर पर संचालन जीवन में आनंद का संचार करता है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए आनंद उत्सव का आयोजन रखा है।

उन्होंने कहा कि राज्य आनंद संस्थान और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ स्वयंसेवी संस्थाओं, जन-प्रतिनिधि और राज्य आनंद संस्थान के स्वयं-सेवकों की सहभागिता से होने वाले आनंद उत्सव में ग्राम स्तर पर पंचायतें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। आयोजन को सफल बनाने जनपद, अनुविभाग और जिलास्तर पर अधिकारियों को आवश्यक समन्वय का दायित्व सौंपा गया है।

'लाड़ली लक्ष्मी' को लेकर 'नारायण' हुए विदा

■ उज्जैन

मकर संक्रांति, मंगलवार को जब लक्ष्मी के साथ नारायण अग्निकुण्ड के चारों ओर फेरे ले रहे थे, तब लक्ष्मी का परिवार उदास मन से यह सारे दृश्य देख रहा था। कल्पना में वह सारे दृश्य तैर रहे थे जब बछिया स्वरूप लक्ष्मी घर में आई थी और आंगन में कुलांचे भरती थी। परिजन उसे कभी दौड़कर पकड़ते और कभी खूंटे से रस्सी द्वारा बांध देते थे। परिजन के अनुसार जब लक्ष्मी को खूंटे से बांध जाता तो वह रंभाने लगती थी कि उसे खोल दो, अब वह मस्ती नहीं करेगी।

मंगलवार को जब लक्ष्मी को लेकर नारायण विदा हुए तब

परिजनों की आंखों से बहे अश्रु

परिजनों के अश्रु बह निकले। आंगन में विदाई का फिल्मी गीत चल रहा था वहीं लक्ष्मी के परिजन लक्ष्मी को और लक्ष्मी अपने परिजनों को देख रही थी। यह सारा मामला बाकी लोगों को समझ आ रहा था लेकिन लक्ष्मी नहीं समझ पा रही थी कि आखिर हो क्या रहा है। यही स्थिति नारायण की भी थी, वह भी इन सारे दृश्यों को देख रहा था लेकिन मूक होने के कारण पूछ नहीं पा रहा था कि यह सब क्या है?

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी रामनरेश बैरागी ने एक बछिया को अपनाया था। वह अब विवाह योग्य हो गई थी। इस बछिया का नाम उन्होंने लक्ष्मी रखा था। उनके मन में विचार आया कि इसका ब्याह करवाया जाए। उन्होंने आनंदगंज की झिरी निवासी प्रकाश यादव से बात की। उनके यहां नंदी है जिसका नाम उन्होंने नारायण रखा था। दोनों के बीच बातचीत हुई और तय हुआ कि मकर संक्रांति पर देवास मार्ग स्थित पुलिस सामुदायिक भवन में प्रकाश नारायण की बारात लेकर आएंगे और लक्ष्मी को ब्याह कर ले जाएंगे। इसके पूर्व दो दिनों तक हल्दी, मेहंदी और मण्डप की रस्म भी हुई। निमंत्रण पत्र छपवाकर रिश्तेदारों को बांटे गए। विवाह वाले दिन जब बारात आई तो लक्ष्मी के परिजन रामनरेश और कोमल ने नारायण का तिलक किया और हार पहनाया। इधर, नारायण की तरफ से लक्ष्मी के लिए लाए गए वस्त्रों को लक्ष्मी के परिजनों को सौंपा गया। फेरे होने के पश्चात लक्ष्मी की विदाई की गई।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में एक संवाददाता सम्मलेन को सम्बोधित किया

दिल्ली। "वीर जनशक्ति पार्टी" ने आज प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में एक संवाददाता सम्मलेन को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह पार्टी आगामी दिल्ली विधान सभा चुनाव में जीत कर दिल्ली/देश में व्यवस्था परिवर्तन करना चाहती है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन ने कहा कि उनकी पार्टी चाहती है कि भारत को एक "सनातन राष्ट्र" घोषित किया जाये, जिससे देश के सभी लोग एक साथ संगठित हो सकें। अगर हम सिर्फ "हिन्दू राष्ट्र" की बात करते हैं तो लोगों को लगता है कि यहाँ सिर्फ हिन्दू लोग हैं, लेकिन जब हम सनातन की बात करते हैं तो इसमें जैन, सिख और बौद्ध धर्म के लोग भी समाहित हो जाते हैं। बाकि जो अन्य धर्म हैं वो तो बाहरी देशों से आये हैं, जो सनातियों के साथ "जीओ और जीने दो" के सिद्धांत पर चलकर इस देश की मुख्य धारा में जुड़े रह सकते हैं। जो लोग भी भारत माता की जय में विश्वास करते हैं, वो इस पार्टी के सदस्य बन सकते हैं। डॉ. जैन ने कहा कि रामराज्य की परिकल्पना तभी सच हो सकती है जब देश का हर परिवार समृद्ध बनेगा। वीर जनशक्ति पार्टी देश को समृद्ध व सशक्त करने के लिए चाहती है कि हर परिवार का एक व्यक्ति चाहे वो युवा हो या महिला हो या फिर दिव्यांग हो उन्हें समृद्ध बनाया जाये जिससे उस परिवार का भरण-पोषण ठीक से होता रहे। डॉ. मणीन्द्र जैन का मानना है कि हर परिवार के समृद्ध बनने से मुफ्त की योजनाएं बंद हो जाएगी तथा टैक्स पेयर्स की धनराशि देश की विकास में लगेगी। और इसके लिए "वीर जनशक्ति पार्टी" "जैन रोजगार योजना" ला रही है जिसका उद्घाटन आगामी 25 जनवरी को बिहार के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान करेंगे। इस उद्घाटन अवसर पर कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य श्री प्रमोद कृष्णम और सुपर-30 के संस्थापक पद्मश्री श्री आनंद कुमार भी उपस्थित रहेंगे। "वीर जनशक्ति पार्टी" ने चुनाव लड़ने के लिए जनशक्ति लोकतान्त्रिक गठबंधन बनाया है जिसमे सर्वजन समता पार्टी, सेक्युलर इंकलाब पार्टी व नेशनल लोकतान्त्रिक पार्टी शामिल हैं। संवाददाता सम्मलेन को वीर जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष डॉ. राज शेखावत, दिल्ली प्रदेश के संयोजक श्री सुदेश जैन और संगठन मंत्री श्री अमरीश गुप्ता आदि ने भी सम्बोधित किया तथा वीर जनशक्ति पार्टी का संकल्प-पत्र भी घोषित किया।

16 फरवरी के बाद शुरू होगी कांग्रेस की 'किसान मजदूर सम्मान एवं न्याय यात्रा'

नई दिल्ली। 15 जनवरी किसान कांग्रेस किसानों की समस्याओं को लेकर 16 फरवरी के बाद 'किसान मजदूर सम्मान एवं न्याय यात्रा' निकालेगी। इसकी शुरूआत उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से होगी। यह जानकारी नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखपाल सिंह खैरा, उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, सांसद किशोरी लाल शर्मा, पार्टी नेता विश्वविजय सिंह और अखिलेश शुक्ला ने दी। इस दौरान किसान कांग्रेस से जुड़ने और किसानों की सहायता के लिए मोबाइल एप भी लांच किया गया। पत्रकारों से बातचीत में उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि यह यात्रा पहले 18 जनवरी से शुरू होनी थी, लेकिन कांग्रेस ने इसे 16 फरवरी के बाद करना तय किया है, ताकि महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को कोई समस्या न हो। कांग्रेस ये यात्रा गाजियाबाद से शुरू करेगी, क्योंकि किसानों को सबसे ज्यादा परेशानी पश्चिम उत्तर प्रदेश में ही है। यहां किसानों को गन्ने का उचित भुगतान नहीं मिल रहा है, जमीन अधिग्रहण का मुआवजा भी नहीं दिया जा रहा है। इस अभियान में किसान कांग्रेस हर जिले में 300 किसान न्याय योद्धा बनाएगी और उन्हें इससे जुड़ा सर्टिफिकेट दिया जाएगा। किसान कांग्रेस के अध्यक्ष सुखपाल सिंह खैरा ने कहा कि शुरूआत में यह यात्रा उत्तर प्रदेश में निकाली जाएगी और इसके बाद अन्य प्रदेशों में भी यात्रा की जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले दस साल में नरेंद्र मोदी सरकार ने चंद अरबपतियों का करोड़ों रुपए का कर्ज माफ किया है, लेकिन किसानों के लिए कुछ नहीं किया। किसान पर लगातार कर्ज बढ़ता जा रहा है, जिस कारण वह आत्महत्या करने को मजबूर है। जबकि मनमोहन सिंह जी ने देश के किसानों का करीब 72 हजार करोड़ का कर्ज माफ किया था। उन्होंने कहा कि सरकार का पूरा ध्यान कॉर्पोरेट घरानों की मदद करने में लगा है और साथ ही चुनावी व्यवस्था को बर्बाद किया जा रहा है, जिसकी बात आज राहुल गांधी जी ने भी उठाई है। कांग्रेस मांग करती है कि अगले बजट में कृषि क्षेत्र का बजट बढ़ाया जाए, ताकि किसान खुशहाल हो सके। उन्होंने कहा कि भाजपा बात तो किसान की आय दोगुनी करने की कहती है, लेकिन असलियत में किसान का कर्ज दोगुना हो गया है। वहीं कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि इस यात्रा के विचार को कांग्रेस अध्यक्ष ने भी सराहा है और उसे समर्थन देने की बात कही है। उत्तर प्रदेश में बढ़-चढ़कर 'किसान मजदूर सम्मान एवं न्याय यात्रा' को समर्थन देते हुए आगे बढ़ाएंगे। कांग्रेस हमेशा किसानों के हक और अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। इस लड़ाई में हम सब साथ हैं।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सोजन्य से मासिक बैठक आयोजित

नई दिल्ली। 15 जनवरी 2025 राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सभागार में आयोग के चेयरमेन इकबाल सिंह लालपुरा की अध्यक्षता में मासिक बैठक आयोजित हुई जिसमे आयोग के अधिकारी उपस्थित हुए। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई जो इस प्रकार हे सम्भल की षाही जामा मस्जिद, हरिद्वार उत्तराखंड में ज्ञान गोदरी गुरूद्वारा, उड़ीसा का गुरूद्वारा मंगूमठ से संबंधित नये घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा हुई जिसमे यह निर्णय लिया गया उड़ीसा के मुख्य सचिव को इस संबंध में आयोग के सौजन्य से पत्र लिख कर स्थिती का ब्यौरा लिया जाएगा। इसके अलावा आगामी 16 जनवरी 2025 को आयोग का एक्र प्रतिनिधी मंडल संभल के दौरे पर जाएगा और हरिद्वार के ज्ञानगोदरी गुरूद्वारे के मुद्दे पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से भेंट करके चर्चा की जाएगी। अंत में आयोग के चेयरमेन इकबाल सिंह लालपुरा ने कहा आयोग सभी अल्पसंख्यक समुदाय के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए कार्य करता है।

दिल्ली चुनाव को लेकर मिथक बनाम तथ्य रजिस्टर लॉन्च।

नवेश कुमार/वरिष्ठ पत्रकार।
नयी दिल्ली,15 जनवरी 2025 (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान भ्रामक खबरों की प्रवाह को रोकने एवं सच्ची खबरों से अवगत कराने के लिए दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने 'मिथक बनाम तथ्य रजिस्टर लॉन्च किया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार दिल्ली की सीईओ श्रीमती आर. एलिस वाज ने आज इसे लांच किया। इससे विधान सभा चुनाव के दौरान गलत सूचना, दुष्प्रचार और फर्जी खबरों के बारे में जानकारी मिल पाएगी। सूत्रों के अनुसार यह मिथक बनाम तथ्य रजिस्टर, https: www.ceodelhi.gov.in/mythvsfacts.aspx पर उपलब्ध है,जो दिल्ली के मतदाताओं और मीडिया संगठनों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में कार्य करेगा। इस मौके पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि यह पहल दिल्ली के मतदाताओं को फर्जी खबरों के हानिकारक प्रभावों से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरुक करने के लिए आटो रिक्शा के जरिए अभियान शुरू किया गया।
एल.एस.

एक्सप्लर्जर ने नई दिल्ली में की सोनू सूद के साथ नई एक्शन-थ्रिलर 'फतेह' की एक्सक्लूसिव रेड कार्पेट स्क्रीनिंग की मेजबानी

दिल्ली। जितिन भाटिया द्वारा स्थापित और बॉलीवुड स्टार सोनू सूद द्वारा सह-स्थापित, यात्रियों के लिए अभिनव सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सप्लर्जर' ने अपने उपयोगकताओं को सोनू सूद की नई एक्शन-पैक फिल्म 'फतेह' की एक विशेष रेड-कार्पेट स्क्रीनिंग के साथ एक सितारों भरी शाम का आनंद दिया। 12 जनवरी को डीएलएफ साकेत के सिनेपोलिस में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में हजार से अधिक लोग, अलग–अलग शहरों से आए सेलेब्स/मेगा इन्फ्लुएंसर/शीर्ष कंटेंट क्रिएटर/मीडिया बिरादरी/शीर्ष कॉर्पोरेट अधिकारी/ब्रांड प्रमुख/मनोरंजन पत्रकार शामिल थे, शामिल होकर रेड-कार्पेट स्क्रीनिंग का हिस्सा बने। बता दें कि 'फतेह' सोनू सूद द्वारा निर्देशित पहली फिल्म, एक्शन से भरपूर ड्रामा और शानदार कहानी में न्याय और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों के विषयों की पड़ताल करती है। दर्शकों और आलोचकों से समान रूप से शानदार समीक्षा प्राप्त करने वाली सोनू सूद की यह नवीनतम पेशकश बॉलीवुड में एक्शन शैली को फिर से परिभाषित कर रही है।

डॉ. शिवराम मीना ने संभाला सहायक निदेशक का पदभार

नई दिल्ली 15 जनवरी 2025। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान सरकार की विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक के निर्णयानुसार मंगलवार को डीआईपीआर के 23 अधिकारियों की पदोन्नति के आदेश जारी किए गए थे। आयुक्त श्री सुनील शर्मा द्वारा जारी पदोन्नति आदेशों की अनुपालना में बुधवार को राजस्थान सूचना केंद्र नई दिल्ली में कार्यरत डॉ. शिवराम मीना ने सहायक निदेशक के नवीन पद पर कार्यभार ग्रहण कर किया। इस अवसर पर डॉ. मीना ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा सहित आयुक्त डीआईपीआर और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

महाकुंभ में कैम्पा-आश्रम, तीर्थयात्रियों को मिलेगा आरामदायक विश्राम स्थल

नई दिल्ली, जनवरी : महाकुंभ प्रयागराज के दौरान रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए ह्यकैम्पा-आश्रमह्न स्थापित करेगा। ये विशेष रूप से डिजाइन किए गए आश्रम तीर्थयात्रियों को आराम और जलपान की सुविधा प्रदान करेंगे। ह्यकैम्पा-आश्रमह्न को सुरक्षित और शांत वातावरण देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, ताकि तीर्थयात्री अपनी आध्यात्मिक यात्रा को आरामदायक बना सकें। इसके अलावा, कंपनी कुंभ क्षेत्र में तीर्थयात्रियों की सहायता के लिए स्पष्ट साइनेज और दिशासूचक बोर्ड भी लगाएगी। ये बोर्ड यात्रियों को कुंभ क्षेत्र के विभिन्न स्थानों तक पहुंचने में मदद करेंगे।

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के सीईओ केतन मोदी ने कहा, महाकुंभ में हमारी भागीदारी भारतीय परंपराओं के प्रति हमारे गहरे सम्मान को दशार्ती है। यह हमारे लिए एक सौभाग्य है कि हम इस भव्य आध्यात्मिक समागम के दौरान तीर्थयात्रियों की सेवा कर सकते हैं। गौरतलब है कि महाकुंभ 2025 की शुरूआत पौष पूर्णिमा (13 जनवरी) से हो चुकी है। त्रिवेणी संगम पर पहले दिन लाखों श्रद्धालुओं ने स्नान किया। रिलायंस ने अपनी सेवाओं के माध्यम से इस विशाल आयोजन को सफल बनाने और तीर्थयात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है। महाकुंभ का पहला शाही स्नान 14 जनवरी को होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के भाग लेने की उम्मीद है।

कार की टक्कर से उछलकर शीशे पर गिरे बाइक सवार, बुजुर्ग की मौत, दो घायल

पुलिस ने आरोपी कार चालक पर किया केस दर्ज, घायलों को पहुंचाया ट्रॉमा सैंटर

यमुनानगर, जनवरी : लेदी-प्रताप नगर मार्ग पर कोहिनूर पैलेस के पास तेज रफ्तार मारुति स्विफ्ट कार ने लेदी चौक की तरफ से आ रहे बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार 62 वर्षीय लेदा गांव निवासी सुंदरलाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो व्यक्ति घायल हो गए। घायलों का ट्रॉमा सैंटर में उपचार चल रहा है।

छछरौली पुलिस ने आरोपी कार चालक पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

जानकारी अनुसार कोटडा कान सिंह गांव निवासी शराफत देर शाम को अपने गांव के ही कुर्बान व लेदा गांव निवासी सुंदरलाल बाइक पर लेदी चौक की तरफ से बाइक पर अपने गांव जा रहे थे। जैसे ही वे प्रताप नगर मार्ग पर कोहिनूर पैलेस के सामने पहुंचे तो प्रताप नगर की तरफ से तेज रफ्तार स्विफ्ट कार आई। आरोप है कि चालक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। बाइक सवार उछलकर कार के शीशे के ऊपर जा गिरे। हादसे में लेदा निवासी सुंदरलाल की मौके पर मौत हो गई है। जबकि शराफत व कुर्बान गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं। सूचना मिलने पर छछरौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है।

3 हजार का झांसा देकर 7 हजार ठगे

डबवाली, जनवरी : शहर थाना डबवाली पुलिस ने वार्ड नंबर-18 रविदास नगर डबवाली निवासी करण पुत्र पूर्णचंद की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में करण ने बताया कि 6 जनवरी को उसके फोन पर अनजान नंबर से कॉल आया और बताया कि उसने 3 हजार रुपए उसके पिता को देने है, इसलिए गूगल अकाऊंट भेजो। उसने अपना गूगल पे अकाऊंट उसे भेज दिया। इसके बाद उसे 30 हजार रुपए जमा होने का टेकस्ट मैसेज प्राप्त हुआ।

भीड़ प्रबंधन में मदद के लिए पुलिसकर्मियों को मिलेगा पावरफुल सुरक्षा उपकरण, सुरक्षा होगी और अधिक मजबूत

नई दिल्ली, जनवरी : महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए एवरैडी इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड ने पुलिसकर्मियों को 5 हजार पावरफुल साइरेन टॉर्च डीएल 102 उपलब्ध कराई हैं। इन साइरेन टॉर्च में अलार्म की सुविधा है, जिससे भीड़ प्रबंधन और निगरानी में सहायता मिलेगी। इस साल महाकुंभ में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। इतनी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कुंभ पुलिस ने 56 पुलिस स्टेशनों के माध्यम से सुरक्षा जागरूकता अभियान भी शुरू किया है। एसएसपी कुंभ मेला, राजेश द्विवेदी ने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिकता है, और एवरैडी के साइरेन टॉर्च इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। एवरैडी के सीनियर वाइस प्रेजिडेंट, अनिरबन बैनर्जी ने कहा कि यह डिवाइस न केवल पुलिसकर्मियों बल्कि महिलाओं और अन्य लोगों को भी सुरक्षा और आत्मविश्वास प्रदान करती है। इसके अलावा, मेला परिसर में इमरजेंसी कॉन्टैक्ट नंबर भी प्रदर्शित किए जाएंगे, ताकि किसी भी परेशानी में श्रद्धालु तुरंत मदद ले सकें। एवरैडी की यह पहल महाकुंभ के दौरान सुरक्षा और व्यवस्थाओं को सशक्त बनाएगी।

सिलैंडर में लीकेज से घर में लगी आग

आग से जला बाइक व जला पड़ा घर का सामान।

50 हजार की नकदी सहित लाखों का सामान जलकर खाक, 2 कमरों की छत गिरी, बाइक भी जला

सिरसा, जनवरीः फूलकां गांव में मंगलवार को गैस सिलेंडर की लीकेज के चलते मकान में आग लग गई जिससे घरेलू सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि इस आगजनी में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, किंतु 50 हजार की नकदी, दो सोने की बालियों सहित लाखों रुपए का सामान आग की भेंट चढ़ गया। आगजनी के दौरान आंगन में खड़ा बाइक भी चपेट में आ गया, वहीं दो कमरों की छत भी गिर गई। घटना के समय घर में 3 महिलाओं द्वारा शोर मचाने पर आस-पास के लोग एकत्रित हो गए और बचाव कार्य में जुट गए। वहीं डायल 112 नंबर की गाड़ी घटनास्थल पर पहुंची, जिसके उपरांत फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक पूरा घर राख का ढ़ेर बन चुका था।

गांव फूलकां निवासी महावीर धानक ने बताया कि मंगलवार सुबह वह खेत में गया हुआ था। करीब सुबह 10 बजे घर में मेरी पत्नी, बेटी व पुत्रवधु खाना बना रही थी, तभी अचानक सिलेंडर लीकेज के चलते गैस पाइप में आग लग गई। देखते ही देखते यह आग पूरे घर में फैल गई। पीड़ित ने बताया कि आग ने पूरे घर को चपेट में लिया है। इस दौरान अलमारी में रखी 50 हजार की नकदी भी राख हो गई। वहीं कान की सोने की दो बालियां भी आगजनी के बाद नहीं मिली। इस घटना में 3 संदूक, 3 छोटी पेटी, 2 सिलाई मशीन, फ्रीज, दो कूलर, तीन पंखे, एक मधानी, एक वाशिंग मशीन, एलईडी, दो प्रैस, तीन चारपाई, तीन कुर्सी, डबलबैड, दो सोफासेट, दो सिलेंडर टंकी, गैस चूल्हा, एक अलमारी कपड़े वाली, बाइक जलकर राख हो गया।

वहीं आगजनी से घर के दो कमरों की छत गिर गई जिस में बर्तन आदि सामान भी मलबा बन गया। पीड़ित ने जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

सालों की मेहनत पर चंद मिनटों में फिरा पानी

पीड़ित महावीर सिंह ने बताया कि वह खेत मजदूरी का कार्य करता है। वहीं उसके दो बेटे भी देहाड़ी का कार्य करते हैं। कई सालों से पाई-पाई जोड़कर यह घर खड़ा किया था, लेकिन आगजनी के चलते दोनों मकानों में लगाई गई लकड़ की बल्लियां जल गई जिससे दोनों मकानों की छत गिर गई है। पूरा घर मलबे में तबदील हो चुका है। उसने भरे मन से बताया कि अब तो हमारे पास रहने को भी छत नहीं बची, सर्दी का मौसम है। वहीं बेटों ने मजदूरी का पैसा जोड़कर मोटरसाइकिल खरीदा था, जो आग की भेंट चढ़ गया।

> फूलकां में आगजनी की घटना सिलेंडर की लीकेज की वजह से हुई है। जैसे ही जानकारी मिली अग्निशमन की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था।
>
> **– अशोक, मुख्य अग्निशामक सिरसा।**

दिल्ली में 5 फरवरी को खत्म हो जाएगी आप–दा सरकार, हरदीप पुरी का दावा

दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आगामी दिल्ली चुनावों में भाजपा की संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि 'आप-दा' 5 फरवरी को भाजपा की अपेक्षित जीत के साथ समाप्त होगा। उन्होंने अपना विश्वास दोहराया कि भाजपा के उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी मौजूदा सत्ता विरोधी लहर के कारण जीत हासिल करेंगे। पुरी ने अरविंद केजरीवाल की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए अधूरे वादों और कथित भ्रष्टाचार को उजागर किया। पुरी ने यमुना नदी की खराब स्थिति और दिल्ली की वायु गुणवत्ता को आम आदमी पार्टी की विफलता बताया। उन्होंने दिल्ली सरकार पर अपने नेताओं के निजी वाहनों पर अत्यधिक खर्च करने का भी आरोप लगाया और मुख्यमंत्री उम्मीदवार पर भाजपा के फैसले का वादा किया। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि मैं यहां रमेश बिधूड़ी के नामांकन दाखिल करने के लिए आया हूं। यहां लोगों में उत्साह आप देख सकते हैं। माहौल देखकर साफ है कि सिर्फ ये सीट ही नहीं बल्कि बीजेपी बड़े अंतर से दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने जा रही है। कालकाजी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे भाजपा के रमेश बिधूड़ी ने कहा कि सत्ता विरोधी लहर के कारण प्रतिस्पर्धा में कमी है। उन्होंने आप उम्मीदवार आतिशी के अभियान की आलोचना की और इसकी तुलना केजरीवाल के नेतृत्व से करते हुए लोगों की सेवा करने की उनकी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। चुनाव 5 फरवरी को होने हैं और नतीजे 8 फरवरी को घोषित किए जाएंगे।

खोखले वादों में न पड़ें, सोच-समझाकर वोट करें

दिल्ली के मतदाताओं से मायावती की अपील

दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने बुधवार को दिल्ली के मतदाताओं को कांग्रेस, भाजपा और आम आदमी पार्टी के वादों से प्रभावित नहीं होने की चेतावनी दी और उनसे सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद वोट देने का आग्रह किया। मायावती ने कहा कि इस चुनाव में कांग्रेस, बीजेपी और आम आदमी पार्टी एक बार फिर जनता से कई लुभावने वादे या वादे करके चुनाव लड़ रही हैं, हालांकि ये पार्टियां कई बार सत्ता में रहते हुए अपने चुनावी वादे पूरे करने में नाकाम रही हैं। मायावती ने आगे कहा कि जबकि, जन कल्याण के मामलों में, यह बसपा ही है जो वास्तव में समाज के सभी वर्गों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करती है और यह बात सभी जानते हैं। इसलिए दिल्ली विधानसभा चुनाव में सभी मतदाताओं को सोच समझकर वोट करना चाहिए। बसपा सुप्रीमो ने यह भी उम्मीद जताई कि अगर चुनाव पूरी तरह से स्वतंत्र और निष्पक्ष होगा और कोई हेरफेर नहीं होगा तो उनकी पार्टी अपने दम पर बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि बसपा दिल्ली विधानसभा चुनाव अपने दम पर पूरी ताकत से लड़ रही है। मुझे उम्मीद है कि हमारी पार्टी इस बार बेहतर परिणाम हासिल करेगी, बशर्ते कि चुनाव पूरी तरह से स्वतंत्र और निष्पक्ष हो और इसमें कोई हेरफेर न हो, क्योंकि अधिकांश पार्टियों ने इस बारे में चिंता व्यक्त की है। मायावती ने कहा कि चुनाव आयोग को बढ़ते नफरत भरे भाषण, भड़काऊ पोस्टर और इसी तरह की रणनीति के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। इसके अलावा, इस चुनाव को अअढ, भाजपा और कांग्रेस द्वारा किए गए लुभावने वादों से बचाया जाना चाहिए।

समाचार

बसपा सुप्रीमो मायावती का कार्यकर्ताओं ने केक काटकर 69 व जन्मदिन मनाया

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बुधवार को बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने नगर के अंबेडकर पार्क पर पहुंचकर बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बहन कुमारी मायावती का 69 वां जन्मदिन धूमधाम के साथ केक काटकर मनाया, इस मौके पर बसपा जिला प्रभारी एडवोकेट अजब सिंह ने कहा कि आज पूरे देश में बहन जी के जन्मदिन को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जनकल्याणकारी दिवस के रूप में उनके अनुयाई मना रहे हैं, आज उत्तर प्रदेश की जनता बहन जी के शासनकाल को याद कर रही है उन्होंने कहा कि बसपा के शासनकाल में सभी वर्गों के लोगों को न्याय मिला तथा अधिकारी जनता को न्याय दिलाते हुए दिखाते थे, लेकिन इस सरकार में अधिकारी बेलगाम है, इस मौके पर मुख्य रूप से अजब सिंह एडवोकेट, राजेंद्र उर्फ गुड्डू, अमित कुमार, रामगोपाल, कपिल कुमार, रितिक कुमार, विनय कुमार, बदन सिंह बिट्टू, जगबीर सिंह मौर्य, कर्मवीर सिंह, कृष्ण कुमार, हरमीत कुमार, अमित आदि दर्जनों बसपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मौनी अमावस्या पर 8-10 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना, युद्धस्तर पर करें तैयारीः मुख्यमंत्री

लखनऊ, 15 जनवरी: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर 8-10 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम स्नान की संभावना के दृष्टिगत व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाये जाने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बीते 03 दिनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि पौषपूर्णिमा और मकर संक्रांति के दो प्रमुख स्नान पर्वों पर 06 करोड़ से अधिक लोगों ने त्रिवेणी स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया। आगामी 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर 8-10 करोड़ लोगों के आगमन की संभावना है। ऐसे में व्यवस्थाओं को और बेहतर करने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि रेलवे के साथ संवाद बनाकर महाकुम्भ स्पेशन ट्रेनों का समयबद्ध आवागमन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि नियमित और विशेष ट्रेनों का संचालन लगातार किया जाता रहे। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए इनकी संख्या को बढ़ाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने मेलाक्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क को और बेहतर करने की जरूरत भी बताई, साथ ही बसों, शटल बसों और इलेक्ट्रिक बसों का संचालन लगातार कराए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शौचालयों की नियमित सफाई की जाए, घाटों की बेरिकेटिंग हो और सभी सेक्टरों में 247 बिजली और पेयजल आपूर्ति की जानी चाहिए। बैठक में मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक, प्रमुख सचिव गृह व सूचना, प्रमुख सचिव नगर विकास, चेयरमैन पॉवर कॉर्पोरेशन और निदेशक सूचना सहित अनेक अधिकारियों की उपस्थिति रही।

न हो किसी के साथ अन्याय, समस्याओं पर तत्काल हो कार्रवाई : सीएम योगी

गोरखपुर, 15 जनवरी। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेहद सर्द मौसम में भी बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया। उन्होंने जनता दर्शन में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान का भरोसा दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जाए, किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। गोरखनाथ मंदिर में बुधवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जनता दर्शन का आयोजन मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में किया गया था। यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक व्यक्ति से मिले।

10 देशों का दल महाकुम्भ का करेगा भ्रमण

महाकुम्भनगर, 15 जनवरी। योगी सरकार द्वारा भव्य और दिव्य महाकुम्भ का आयोजन अब पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को 10 देशों का 21 सदस्यीय दल संगम में पवित्र डुबकी लगाएगा। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के एक्सटर्नल पब्लिसिटी एंड पब्लिक डिप्लोमेसी डिवीजन द्वारा आमंत्रित 10 देशों का 21 सदस्यीय दल बुधवार को पहुंच रहा है। इस दल के आवास की व्यवस्था अरैल क्षेत्र स्थित टेंट सिटी में की गई है, जिसे उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा निर्मित किया गया है।

>>> महाकुम्भ क्षेत्र का करेंगे हवाई भ्रमण

बुधवार को दल के महाकुम्भ मेला क्षेत्र में भ्रमण का कार्यक्रम है। शाम 5:00 बजे से 6:30 बजे तक हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया है, जिसमें दल के सदस्य प्रयागराज की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का अनुभव करेंगे। रात में टेंट सिटी में रात्रि भोजन और विश्राम की व्यवस्था की गई है। अंतर्राष्ट्रीय दल गुरुवार, 16 जनवरी को सुबह 8:00 बजे त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाएगा। इसके बाद नाश्ते के पश्चात 9:30 बजे दल के सदस्यों को हेलीकॉप्टर से महाकुम्भ क्षेत्र का हवाई अनुभव कराया जाएगा। भ्रमण कार्यक्रम दोपहर 1:30 बजे समाप्त होगा और दल एयरपोर्ट के लिए रवाना होगा।

>>> 10 देशों के प्रतिनिधि शामिल

इस अंतर्राष्ट्रीय दल में फिजी, फिनलैंड, गयाना, मलेशिया, मॉरीशस, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रतिनिधि शामिल हैं।

सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में संक्रांति, सहभोज, इंडियन आर्मी डे पर हुए कार्यक्रम

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर/ सैद नंगली। बुधवार को विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सैद नंगली अमरोहा में वंदना सत्र में मकर संक्रांति और इंडियन आर्मी डे(भारतीय सेना दिवस) के कार्यक्रम उत्साह पूर्वक मनाए गए। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता काजल जी ने मकर संक्रांति पर्व कब क्यों किस उद्देश्य के लिए मनाया जाता है? यह पर्व किन राज्यों में मनाया जाता है? इस पर्व के विभिन्न रूपों व नाम की चर्चा करते हुए भैया बहनों को सम्बोधित किया। भारतीय सेना दिवस के मुख्य वक्ता शोवित जी ने इंडियन आर्मी डे क्यों मनाते हैं इसका भारत के लिए क्या महत्व है विश्व स्तर पर भारतीय सेना की क्या विशेषता है आदि के विषय में विस्तार पूर्वक अपने विचारों द्वारा भैया बहिनों को अवगत कराया। कार्यक्रम के अध्यक्ष सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य दिवाकर पांडेय ने भैया बहिनों को मकर संक्रांति और इंडियन आर्मी डे की शुभकामनाएं देते हुए इन पर्वों के महत्व, सूर्य के भ्रमण करने, एक राशि से दूसरी राशि में संक्रांति (प्रवेश) करने,सूर्य के मकर राशि में प्रवेश, उत्तरायण-दक्षिणायन के महत्व, समरसता सहभोज का प्रतीक मकर संक्रांति पर्व को ऊंच नीच, छूआछूत व भेदभाव को दूर करने वाला पर्व, जनजीवन में उत्साह, उमंग, उल्लास के संचार का प्रतीक मकर संक्रांति पर्व पर स्नान-दान के महत्व, लोगों द्वारा तिल गुड़ का सेवन व वितरण किए जाने, पतंगोत्सव मनाने इत्यादि बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक अपने विचार प्रकट करते हुए भैया बहिनों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर आचार्य बन्धुओं व आचार्या बहिनों द्वारा विद्यालय में खिचड़ी प्रसाद का निर्माण कर भैया बहिनों, आचार्य परिवार, चालक व कर्मचारियों के साथ समाज के अन्य बंधुओं शुभनीत ,विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉक्टर पुनीत गुप्ता ने भी सहभोज के कार्यक्रम में उत्सुकता से भाग लिया।

श्रम विभाग द्वारा लगाए गए कैंप में 88 रजिस्ट्रेशन हुए

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बुधवार को व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान 74/22 के प्रयासों द्वारा श्रम विभाग के अधिकारियों ने नगर की अग्रवाल धर्मशाला में कैंप के माध्यम से लगभग 88 लोगों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया, इस संबंध में श्रम विभाग के अधिकारी संजय कुमार सक्सेना ने बताया कि व्यापार मंडल के सहयोग से व्यापारियों की दुकानों के बन टाइम रजिस्ट्रेशन किए गए हैं और सरकार द्वारा श्रमिकों तथा व्यापारियों के लिए एक स्कीम चलाई गई है जिसके तहत व्यापारियों तथा श्रमिकों को पेंशन स्कीम में 18 से 40 साल के बीच महिला या पुरुष व्यापारी जिनकी इनकम 15000 प्रति माह से अधिक ना हो उसके लिए 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच प्रीमियम 55 एवं 40 से ऊपर वालों के लिए 200 रुपए प्रतिमाह दे होगा, तथा वह प्रीमियम हर महीने जमा करना होगा जितना व्यापारी या श्रमिक जमा करेगा उतना ही भारत सरकार भी जमा करेगी तथा 60 साल के बाद व्यापारी या श्रमिक जो भी पात्र व्यक्ति होगा उसे लगभग 3000 रुपए प्रति माह पेंशन मिलना शुरू हो जाएगी, वही उससे पूर्व श्रमिकों का ई-श्रम कार्ड बनवाया जाएगा उसके बाद मापदंड तय करते हुए पेंशन सुनिश्चित की जाएगी वहीं उन्होंने अधिक से अधिक श्रमिकों एवं व्यापारियों से रजिस्ट्रेशन कराए जाने की अपील की, इस संबंध मे व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के नगर अध्यक्ष तरुण अग्रवाल ने बताया कि कैंप में लगभग 88 रजिस्ट्रेशन हुए हैं तथा आगे भी व्यापारियों की सुविधा के लिए इसी प्रकार के कैंप आयोजित किए जाएंगे, इस मौके पर मुख्य रूप से व्यापारिक सुरक्षा फोरम संस्थान 74/22 के प्रदेश सचिव मुकेश गुप्ता, लोकेश अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, सचिन गुप्ता, अरुण त्यागी, तरुण अग्रवाल, चरणजीत सिंह, विकास यादव, फिरोज अली, सीमा यादव, अजय रस्तोगी, हनी अग्रवाल आदि सहित दर्जनों व्यापारी मौजूद रहे।

आर्य समाज द्वारा वृद्ध आश्रम पहुंचकर खिचड़ी का वितरण किया गया

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बुधवार को नगर की समाज सेवी संस्था आर्य समाज द्वारा क्षेत्र के एकमात्र वृद्ध आश्रम बाबा घनश्याम दास वृद्ध आश्रम में जाकर मकर संक्रांति के उपलक्ष में खिचड़ी का वितरण किया गया, बता ते चले कि आर्य समाज द्वारा क्षेत्र में आए दिन विभिन्न समाजसेवी कार्य किए जाते रहते हैं तथा आर्य समाज गरीबों एवं असहाय लोगों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहता है जहां एक और मंगलवार को मकर संक्रांति पर लोगों ने जगह-जगह कैंप लगाकर खिचड़ी का वितरण किया था वही आर्य समाज द्वारा बुधवार को क्षेत्र के ग्राम डोमखेड़ा स्थित बाबा घनश्याम दास वृद्ध आश्रम में रह रहे लगभग तीन दर्जन से अधिक गरीब असहाय बुजुर्गों को जिसमें महिला एवं पुरुष शामिल है सभी को आर्य समाज के कार्यकताओं ने बड़े ही श्रद्धा प्रेम पूर्वक अपने हाथों से खिचड़ी का भोजन कराया और यथा संभव दान दक्षिणा भी दी, इस मौके पर आर्य समाज के लोगों में मुख्य रूप से विनय गुप्ता, उमा गुप्ता, नन्हे सिंह आर्य, रमेश चंद्रगुप्त, अंकित गुप्ता आदि लोगमौजूद रहे।

मझोला की बड़ी विपदा मंत्री संजय सिंह गंगवार ने टाली

बिना विकास कार्य प्रभावित किये निकाला मंत्री ने बीच का रास्ता

›› जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल के कार्यालय पर हुई बैठक में मंत्री के निर्देश के बाद 50 फिट की जगह 40 फिट तक जगह लेने का हुआ निर्णय

लोकतंत्र की शान
संवाददाता मंजीत शर्मा

मझोला। सितारगंज मार्ग के फोर लेन निर्माण की जद में आ रहे मझोला बाजार के अधिकांश भवनों के आस्तित्व पर मंडरा रहा खतरा समाप्त हुआ। 50 फिट के स्थान पर मझोला नगर में 40 फिट दोनों ओर लिए जाने हेतु ढहऊविभाग को राज्यमन्त्री संजय सिंह गंगवार ने निर्देशित कर दिया। गत कई माह से मझोला सितारगंज मार्ग के फोरलेन निर्माण का कार्य चल रहा है जिसके अंतर्गत मझोला नगर में सैकड़ों दुकानें व घर अतिक्रमण की जद में आ रहे थे। ऐसे में सैकड़ों परिवारों की आजीविका पर संकट के बादल मंडरा रहे थे। इस से प्रभावित हो रहे लोगों ने राज्यमन्त्री संजय सिंह गंगवार से हस्तक्षेप कर राहत दिलाने का आग्रह किया था और उनके जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल को ज्ञापन भी सौंपा था जिसके उपरांत राज्यमन्त्री संजय सिंह गंगवार ने ढहऊ के अधिकारियों को प्रभावित लोगों की बात सुनने अपने जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल के जन सहयोग कार्यालय पर भेजा जहां ढहऊ के अधिकारियों और मझोला के व्यापारियों के बीच बातचीत हुई। वार्ता के मध्य ही मंत्री संजय सिंह गंगवार द्वारा फोन पर ढहऊ के अधिकारियों को निर्देशित किये जाने के बाद मझोला वासियों को ऐतिहासिक और बड़ी राहत मिल गयी। मंत्री के निर्देश के बाद अब चौराहे के अतिरिक्त पूरे मझोला नगर में ढहऊ विभाग 50 की जगह दोनों ओर 40-40 फिट जगह लेगा और इसकी परिधि में आरहे निर्माण को सम्बंधित लोग खुद ही 25 फरवरी तक हटा लेंगे। दोनों ओर 10-10 फिट की राहत मिलने से सैकड़ों दुकान और मकान टूटने से बच गए हैं एयर नगर की बड़ी समस्या का समाधान बिना विकास कार्य को क्षति पहुंचाएं सम्भव हो गया।

आखिर परसरामपुर पुलिस को हो क्या गया है, बड़ी घटना का क्यों कर रही है इन्तिजार दो महिलाओ समेत तीन घायल ये कम है किया

तौफीक खान संवाददाता बस्ती

बस्ती। के हरैया क्षेत्र के कुंवरपुर गांव में जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। शुक्रवार को हुई मारपीट में दो महिलाएं और एक पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित परिवार न्याय के लिए थाने से लेकर एसपी दफ्तर तक के चक्कर काट रहा है। घटना परशुरामपुर थाना क्षेत्र के कुंवरपुर गांव की है। पीड़िता करीना ने बताया कि गांव निवासी राम सुभावन ने उनकी जमीन पर अवैध रूप से गुमटी बना दी थी। जब गुमटी हटाने की बात कही गई, तो विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी, जिसमें करीना, मीना और रवि बुरी तरह घायल हो गए। पीड़ित परिवार ने परशुरामपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस में भी शिकायत की गई, लेकिन वहां भी सिर्फ आश्वासन मिला। थाने से निराश होकर बुधवार को पीड़ित परिवार पुलिस अधीक्षक अभिनंद से मिला और न्याय की गुहार लगाई। पीड़िता का आरोप है कि थाने में उनकी सुनवाई नहीं की गई और उन्हें वहां से भगा दिया गया। हालांकि, एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

ठंड में निराश्रितों का हाल जानने सड़कों पर निकले मुख्यमंत्री, रैन बसेरों में पूछा लोगों का हाल

लखनऊ। 15 जनवरी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ाके की ठंड में हर जरूरतमंद को आश्रय उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी रैन बसेरों में पर्याप्त संख्या में बिस्तर व कंबल का इंतजाम हो। साफ-सफाई का भी पूरा ध्यान रखा जाए। साथ ही यदि किसी के पास भोजन की व्यवस्था नहीं है तो उसे भोजन भी उपलब्ध कराया जाए। बुधवार रात कड़ाके की ठंड के बीच मुख्यमंत्री अचानक राजधानी लखनऊ के रैन बसेरों में ठहरे निराश्रितों का हाल जानने पहुंचे। मुख्यमंत्री का काफिला पहले मिल कॉलोनी पहुँचा, जहां उन्होंने प्रवासरत लोगों से कुशलक्षेम जानने के साथ उनसे आत्मीय संवाद भी किया और फिर लक्ष्मण मेला रोड की ओर भी गए। अलग-अलग रैन बसेरों में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये लोग ठहरे हुए थे। कोई डॉक्टर को दिखाने के लिए तो कोई किसी अन्य कार्य से लखनऊ आया था। मुख्यमंत्री ने उनसे पूछा कि यहां रैन बसेरों में कोई परेशानी तो नहीं। सबने व्यवस्था को लेकर संतोषजनक जवाब दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा कुशलक्षेम और जरूरतों के बारे में पूछे जाने पर रैन बसेरों में ठहरे लोग भावविभोर हो गए। उन्हें सहसा यकीन नहीं हो रहा था कि उनके ठहरने और भोजन की जानकारी लेने खुद मुख्यमंत्री उनके पास आए हैं। रैन बसेरों में ठहरे लोगों का कहना था कि जब योगी जी खुद उनकी सुधि ले रहे हैं तो उन्हें किस बात की दिक्कत होगी। सभी रैन बसेरों में मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से जरूरतमंदों में कंबल व भोजन का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने रैन बसेरों के बाहर भी जरूरतमंद लोगों में कंबल व भोजन का वितरण कर उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उनकी सेवा को प्रतिबद्ध है।

महाकुम्भ में शुरू हुआ ब्रह्मचर्य दीक्षा समारोह

15 जनवरी, महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ प्रयागराज में लगे मेला परिसर में स्थित ब्रह्मचारियों के अखाड़े श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़ा में बुधवार को दीक्षा समारोह शुरू हो गया। मकर संक्रांति के अगले दिन अखाड़े में ब्रह्मचारियों के दीक्षा की प्रक्रिया शुरू की गई है। आदि गुरु शंकराचार्य की परंपरा से चतुर्नाम के ब्रह्मचारी इस अखाड़े में रहते हैं। प्रकाश, स्वरूप, चैतन्य और आनंद, जो एक-एक शंकराचार्य का प्रतिनिधित्व इस अखाड़े में करते हैं। चारों वेदों का अखाड़े में अध्ययन किया जाता है, जिससे वे समाज में जाएं और धर्म का प्रचार प्रसार करें। श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़ा के महामंडलेश्वर संपूर्णानंद महाराज ने बताया कि इस अखाड़े में लाखों ब्रह्मचारी हैं। जो यहां ब्रह्मचारी की दीक्षा लेने के लिए आयेगा, वह पहले अखाड़े की और सनातन धर्म की परंपराओं को समझेगा। जब अखाड़े के पंचों को लगता है कि वह ब्रह्मचारी बनने के लिए परिपक्व है तो उसे ब्रह्मचारी के रूप में दीक्षित किया जाता है। संपूर्णानंद महाराज के अनुसार ब्रह्मचारी वह है जो धर्म का पालन करता है। जो सनातन धर्म की व्याख्या और प्रचार करेगा, उसे ब्रह्मचारी बनाएंगे। जो गृहस्थ से दूर हैं, वे यहां आते हैं। यहां बहुत सारे ब्रह्मचारी दीक्षित हुए और उन्होंने सामाजिक उपाधियां प्राप्त की। ब्रह्मचारियों को सभापति, महामंत्री, सचिव, श्रीमहंत, महंत, थानापति, कोतवाल, पुजारी पदों पर योग्यता के अनुसार नियुक्त किया जाता है।

अमृत स्नान के बाद सफाई अभियान शुरू

महाकुम्भ नगर, 15 जनवरी। पौष पूर्णिमा स्नान पर्व और मकर संक्रांति के अमृत स्नान के बाद महाकुम्भ क्षेत्र को स्वच्छ करने के लिए बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान शुरू कर दिया गया है। घाटों पर गंदगी को तेजी से साफ किया जा रहा है। सफाई कर्मी लगातार घाटों पर तैनात हैं और हर प्रकार की गंदगी को हटाने का कार्य जारी है। वहीं, शौचालयों में भी स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार ने इस बार महाकुम्भ को स्वच्छ महाकुम्भ के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया है। इसी क्रम में इस बार स्वच्छता पर विशेष जोर दिया गया है। विगत 2 दिनों में महाकुम्भ में 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने स्नान किया है, जिसके बाद मेला प्रशासन ने स्वच्छता अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

जगह-जगह फैली गंदगी को हटाने में जुटा प्रशासन

मेला क्षेत्र में बचे कचरे को हटाने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। श्रद्धालुओं द्वारा छोड़ी गई सामग्रियों को एकत्र कर उचित स्थान पर निस्तारित किया जा रहा है। एकत्रित कचरे को काले लाइनर बैग में जमा कर निस्तारित किए जाने की योजना पर तेजी से कार्य चल रहा है।

16 से शुरू होगा 'संस्कृति का महाकुम्भ'

लखनऊ/महाकुम्भ नगर, 15 जनवरी: महाकुम्भ में 16 जनवरी से 24 फरवरी तक 'संस्कृति का महाकुम्भ' होगा। मुख्य मंच गंगा पंडाल का होगा, जिसमें देश के नामचीन कलाकार भारतीय संस्कृति का प्रवाह करेंगे। इसके अतिरिक्त यमुना पंडाल, सरस्वती पंडाल में भी 16 जनवरी से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ होंगे। त्रिवेणी पंडाल में 21 जनवरी से अनवरत सांस्कृतिक सुरों का संगम होगा। 16 जनवरी को गंगा पंडाल में बॉलीवुड सिंगर शंकर महादेवन के सुरों की गंगा में श्रोता आनंद की डुबकी लगाएंगे तो यमुना पंडाल में काशी के संस्कृत विद्यालय के विद्यार्थी मंगला चरण से ईश्वर के चरणों में श्रद्धा निवेदित करेंगे। पहले दिन सरस्वती पंडाल पर नौटंकी विधा से भी श्रद्धालु परिचित होंगे। पद्मश्री रामदयाल शर्मा 30 सदस्यीय टीम के साथ कृष्ण सुदामा की मित्रता को दर्शकों के सामने प्रस्तुत करेंगे।

गंगा पंडाल होगा मुख्य, त्रिवेणी-यमुना और सरस्वती पंडाल में भी होंगे विविध कार्यक्रम

भक्ति व विरासत के इस उत्सव में गंगा पंडाल का मंच मुख्य होगा। 10, 000 दर्शकों की क्षमता के लिए सेक्टर-1 के परेड ग्राउंड में गंगा पंडाल बनाया गया है। यह भारत के प्रसिद्ध कलाकारों की भव्य प्रस्तुतियों का केंद्र है। इसके अलावा दो हजार दर्शकों की क्षमता वाला त्रिवेणी, यमुना व सरस्वती पंडाल बनाया गया है। हां भी मेजबान उत्तर प्रदेश समेत देश के नामचीन कलाकार अनेक विधाओं में अपनी प्रस्तुति देंगे।

16 जनवरी को होने वाले मुख्य कार्यक्रम

गंगा पंडाल

प्रो. ऋत्विक सान्याल (वाराणसी)- शास्त्रीय/उप शास्त्रीय गायन
विचत्रानंदा स्वेन (भुवनेश्वर), ओडिशी नृत्य
कुशल दास (कोलकाता), सितार
शंकर महादेवन (मुंबई) व रविशंकर (उत्तर प्रदेश), भजन/सुगम संगीत

›› यमुना पंडाल

संस्कृत विद्यालय वाराणसी के बच्चों द्वारा मंगलाचरण
सान्या पाटनकर (राजस्थान), शास्त्रीय गायन
सहीराम पांडेय (गोंडा) आल्हा गायन
सरिता मिश्रा (लखनऊ) लोकगायन
रामप्रसाद (प्रयागराज) बिरहा गायन
पीयूषा कैलाश अनुज (दिल्ली) भजन
आरुषी मुद्गल (दिल्ली) ओडिशी नृत्य
अमरजीत (सोनभद्र) जनजाति लोकनृत्य

›› सरस्वती पंडाल

सौरभ बनौधा (सोनभद्र) बंसी वाद्यवृंद
श्वेता दुबे (वाराणसी), भजन गायन
श्रुति मालवीय (लखनऊ), भजन/लोकगायन
पद्मश्री रामदयाल शर्मा (दिल्ली) कृष्ण सुदामा नौटंकी

जिला की नशा संबंधी मामलों में सजा सुनाने में 87.25 प्रतिशत रही औसतन

एडीजे डॉ. गर्ग की कोर्ट ने 51 केसों में 60 नशा तस्करों को सुनाई सजा

वर्षिक रिपोर्ट 2024 अनुसार 204 केसो में सें 178 केसों में आरोपियों को मिली सजा

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। उप-निदेशक, अभियोजन एवं जिला न्यायवादी डॉ. पंकज सैनी ने बताया कि सरकार प्रदेश को नशा मुक्त बनाने एवं समाज को नशे की लत से छुटकारा दिलाने के उद्देश्य से नशा कानूनों को सख्ती से लागू कर रही है। इस दिशा में एनडीपीएस एक्ट की वार्षिक रिपोर्ट में करनाल जिला की नशा संबंधी मामलों में सजा सुनाने में 87.25 प्रतिशत औसत रही है। एनडीपीएस एक्ट की जनवरी से दिसंबर 2024 वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार अतिरिक्ति जिला सत्र एवं न्यायाधीश डॉ. सुशील गर्ग ने इस दौरान 51 एनडीपीसी एक्ट से संबंधी मामलों की सुनवाई करते हुए सभी 60 आरोपियों को सजा सुनाई है। 51 केसों में से, 51 केसों में ही सजा सुनाने से उनका औसतन शत-प्रतिशत रहा है। इसके अलावा रजनीश कुमार, एडीजे ने 23 केसों में 16 केसों में, अनिल कुमार, एडीजे ने 44 केसों में 38 केसों में, मोहित अग्रवाल, एडीजे 47 केसों में 41 केसों में, रजनीश कुमार, एडीजे ने 35 में 31 केसों में व राम अवतार पारिक, एडीजे ने 2 केसों में 1 केस में सजा सुनाई गई है। यह सभी मामले मध्यम व अधिक मात्रा में आरोपियों से मिले मादक पदार्थों के एनडीपीसी एक्ट के थे, जो उपरोक्त अदालतों में विचारधीन चल रहे थे। जिसमें वार्षिक रिपोर्ट 2024 अनुसार 178 केसो में सें 220 आरोपियों को सजा सुनाई गई है। यह सभी मामले एडीजे कोर्ट में विचाराधीन थे। उन्होंने बताया कि सरकार व उच्चाधिकारियों के दिशा व निदेर्शों अनुसार एनडीपीसी एक्ट नशा संबंधी मामलों में जिला को नशा मुक्त करने का प्रयास जारी है। कोर्ट में गवाहों व सबूतों को हमारे सरकारी वकीलों के द्वारा ठोस मजबूती के साथ पेश करते हुए आरोपियों को अधिक से अधिक।

हरियाणा सिख गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव की सभी तैयारियां पूर्णः आरओ ब्रह्मप्रकाश

निर्भीक, शांतिपूर्ण व पारदर्शिता पूर्वक चुनाव में 9 हजार 683 कुल मतदाता करेंगे मतदान

>>> मतदान का समय सुबह 8 बजे से शाम के 5 बजे तक निर्धारित
>>> सुविधाओं से परिपूर्ण होंगे सभी मतदान केंद्र

करनाल बीटू संधू

हरियाणा। सिख गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव की तैयारियों को प्रशासन ने अंतिम रूप दे दिया है। निर्भीक, शांतिपूर्ण व पारदर्शिता पूर्वक चुनाव कराने को लेकर प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। वार्ड 23 के लिए होने वाले चुनाव के लिए 9 मतदान केंद्र बनायें गए है। जिन पर सभी तरह की बिजली पानी रैम्प व शौचालय की सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई है। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले में 9 हजार 683 कुल मतदाता है। जिनमें पुरूष मतदाता 4 हजार 881 व महिला मतदाता 4 हजार 802 है। जो ईवीएम के माध्यम से मतदान करेंगे। मतदान का समय सुबह 8 बजे से शाम के 5 बजे तक निर्धारित है। चुनाव में एक पीठासीन अधिकारी, एक वैक्लपिक पीठासीन अधिकारी व दो पीठासीन अधिकारी होंगे। निर्वाचन अधिकारी ब्रह्मप्रकाश ने बताया कि मतदान के दिन ही सभी केंद्रों पर मतगणना होगी व विजेता प्रत्याशी से फार्म 19 भरवाया जाएगा। उसके पश्चात तत्काल मतों की गणना की जाएगी। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रत्याशी 100 मीटर की दूरी पर अपना टैंट लगा सकते है। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चुनाव को लेकर दो रैंडामाईजेशन हो चुके है व दो होने बाकी है। उन्होंने बताया कि चुनाव को लेकर एक टेनिंग 18 जनवरी को होगी व उसी दिन ईवीएम का वितरण भी किया जाएगा। ईवीएम से संबंधित टेनिंग भी उसी दिन दी जाएगी। फोटो-8-निर्वाचन अधिकारी ब्रह्मप्रकाश।

लोक जेल अदालत का आयोजन किया गया, 10 मुकदमों का हुआ निपटारा

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 8 मार्च को : इरम हसन

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव इरम हसन ने बताया कि जिला न्यायालय करनाल में आठ मार्च 2025 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नेशनल लोक अदालत में कोई भी व्यक्ति अदालत में लंबित मुकदमे रखकर उनका फैसला करवा सकता है। इसमें प्री लिटिगेशन स्टेज के मुकदमे रखकर उनका निपटारा किया जा सकता है।। इस बारे में अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नं. 0184-2266138 व नालसा हेल्पलाइन नं. 15100 पर संपर्क कर सकते हैं।

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष चंद्रशेखर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जेल लोक अदालत का आयोजन किया। जिसमे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव इरम हसन व सिविल जज (जूनियर डिवीजन) नितिका बंसल ने जिला कारागार में जेल लोक अदालत का आयोजन किया। इस जेल लोक अदालत में 12 मुकदमे रखे गए जिसमें से 10 मुकदमों का निपटारा हुआ। जिसमें 10 मुजरिमों को आवश्यक शर्तों पर रिहा किया गया। इस मौके पर उन्होंने जेल में रह रहे बंदियों से बातचीत की, और उन्हें मुफ्त कानूनी सेवाओं व अपील के अधिकार से अवगत करवाया गया। वहा उन्होंने बंदियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का भी निरीक्षण किया।

नालसा हेल्पलाइन नम्बर 15100 एवं 0184-2266138 का प्रचार प्रसार करें विभागः इरम हसन

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा नि:शुल्क दी जा रही है कानूनी सेवाएं

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी इरम हसन ने कहा कि समाज के कमजोर और पिछड़े वर्गों को न्याय दिलाने और कानूनी सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा निःशुल्क कानूनी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। नालसा द्वारा कानूनी सहायता प्राप्त करने के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 जारी किया गया है। इसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति, जो कानूनी सहायता प्राप्त करना चाहता है, कॉल करके निःशुल्क सहायता प्राप्त कर सकता है। साथ ही, नालसा पोर्टल पर भी ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी इरम हसन बुधवार को एडीआर सेंटर के सभागार मे विभिन्न विभागों के अधिकारियों की एक बैठक को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि कानूनी सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा निःशुल्क कानूनी सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से सभी विभाग टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 एवं 0184-2266138 का प्रचार प्रसार करें ताकि लोगों को इन नम्बरों की जानकारी मिल सकें। उन्होंने पंचायत विभाग के अधिकारी को कहा कि जिले के सभी पंचायतों घरों में और ग्राम सचिवालयों मे वाल पेंटिंग करवाके टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 एवं 0184-2266138 का प्रचार प्रसार करें। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारी से कहा कि जिले में आपके जो 15 कार्यालय है उसमें पेंटिंग के माध्यम से प्रचार प्रसार होना चाहिए । बैंक अधिकारी को कहा कि जिले के हर बैंक मे बैनर व पोस्टर के माध्यम से नम्बरों का प्रचार प्रसार करवाएं। उन्होंने शिक्षा विभाग, आईटीआई विभाग के अधिकारी को कहा कि वाल पेंटिंग के माध्यम से टोल फ्री हेल्पलाइन नं

निराश्रित बच्चों के लिए पेंशन योजना, सरकार हर माह दे रही 1850 रुपये की वित्तीय सहायता : उपायुक्त

करनाल बीटू संधू

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि जिला में 21 वर्ष तक की आयु का बच्चा जो अपने माता-पिता की सहायता अथवा देखभाल से उनकी मृत्यु होने के कारण, अपने पिता के घर से पिछले 2 वर्ष की अवधि से अनुपस्थित होने के कारण अथवा माता-पिता के लम्बी सजा, जोकि एक वर्ष से कम न हो या मानसिक व शारीरिक अक्षमता के कारण वंचित हो जाते हैं और जिनके माता-पिता, अभिभावक की सभी साधनों से वार्षिक आय दो लाख से अधिक नहीं है। वह बच्चा हरियाणा सरकार के सामाजिक न्याय एवं सहकारिता विभाग द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता का लाभ पात्र है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त विभाग द्वारा एक परिवार में दो बच्चों तक 1850 रुपये प्रति माह प्रति बच्चा पेंशन प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक व्यक्ति के पास बेसहारा होने का प्रमाण पत्र, बच्चों के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र व आवेदक का 5 वर्ष या उससे अधिक की अवधि का हरियाणा राज्य में निवासी होने का दस्तावेज जैसे कि फोटोयुक्त वोटर कार्ड या राशन कार्ड आदि की स्वयं सत्यापित फोटो प्रति सहित परिवार पहचान पत्र होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आवेदक के पास यदि उपरोक्त दस्तावेजों में से कोई दस्तावेज नहीं है, तो वह कोई अन्य प्रमाण पत्र सहित 5 वर्ष से हरियाणा में रिहायश का हलफनामा दे सकता है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे के माता-पिता या अभिभावक किसी भी सरकार द्वारा पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहा है, वो उपरोक्त स्कीम का लाभ नहीं ले पाएंगे। स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक प्रार्थी अपने नजदीकी अंत्योदय सरल केंद्र, अटल सेवा केंद्र सहित सीएससी केंद्र पर आवेदन कर सकते हैं।

हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की ओर से बीपीएल परिवारों को स्वयं रोजगार स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से दिया जा रहा ऋण : उपायुक्त।

करनाल सुखविंदर सोही

हरियाणा। सरकार द्वारा हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की ओर से अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को, जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं, बीपीएल परिवार को अपना रोजगार स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि योजना का लाभ उन पात्र परिवारों को मिलेगा जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में 1 लाख 80 हजार रुपये (परिवार पहचान पत्र अनुसार) से अधिक न हो। ऐसे परिवार को बैंकों के माध्यम से 1 लाख 50 हजार रुपये तक का ऋण पशुपालन, किरयाना दुकान, मनिहारी दुकान, ब्यूटी पार्लर, ई-रिक्शा, सूअर पालन या अन्य कोई लाभप्रद योजना इत्यादि के लिए उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि निगम द्वारा कुल लागत का 50 प्रतिशत (अधिकतम 10 हजार रुपये तक का अनुदान व 10 प्रतिशत मार्जिन मनी 4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर उपलब्ध करवाया जाता है तथा बकाया ऋण बैंकों द्वारा दिया जाता है। इच्छुक आवेदक हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम कार्यालय में आवेदन के लिए संपर्क करें।

भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को देश हमेशा याद रखेगा - डॉ आरपी सैनी

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। डीएवी पीजी कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स द्वारा सेना दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ रामपाल सैनी ने कहा कि भारत की सेना विश्व की सबसे शक्तिशाली और बेहतरीन सेना है। जिसके पराक्रम और शोर्य का डंका पुरे विश्व में बजता है। सम्पूर्ण विश्व भारतीय सेना की गौरवगाथा, गौरवशाली इतिहास का साक्षी है, जब-जब देश की ओर दुश्मनों की निगाहें उठी, भारतीय सेना ने उसका मुंह तोड़ जवाब दिया। ताकि फिर कभी पलटकर दोबारा हमारी सरहदों की ओर दुश्मन न देख पाए। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के बलिदान को राष्ट्र हमेशा याद रखेगा। डॉ आरपी सैनी ने सेना के अदम्य साहस और शौर्य की कई गौरवगाथाएं विद्यार्थियों को सुनाई, उन्होंने भारत माता के उन वीर जवानों की कुर्बानियों और शहादत का भी गुणगान किया, जिन्होंने भारत माता की रक्षा करते समय अपने प्राण मातृभूमि पर न्यौछावर कर दिए। उन्होंने वीर सैनिकों को नमन करते हुए श्रृद्धांजलि अर्पित की। मौके पर एनसीसी अधिकारी डॉ बलराम शर्मा व प्रो विपिन ने 54 कैडेट्स के साथ सेना दिवस पर परेड की। इस कार्यक्रम में सभी स्टाफ सदस्यों सहित अन्य सभी मौजूद रहे। आभार सहित धन्यवाद। प्राचार्य, डीएवी पीजी कॉलेज, करनाल।

सीएम विंडो, जनसंवाद पोर्टल पर लंबित शिकायतों का 10 दिन में करें निपटारा- उत्तम सिंह

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने जिला के विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि सीएम विंडो, जनसंवाद पोर्टल और समाधान शिविर की लंबित शिकायतों का दस दिन के भीतर निपटारा करें। यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये कि संबंधित विभाग के कार्यालय की प्रॉपर्टी आईडी बन चुकी है या नहीं। यदि नहीं बनी है तो तुरंत बनवायें। उपायुक्त आज यहां जिला सचिवालय में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा सभी मंडल आयुक्तों और उपायुक्तों के साथ 17 जनवरी को आयोजित की जाने वाली कांफ्रेंस के मद्देनजर समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला में सीएम विंडो पर अधिकांश शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है। सीएम विंडो, जनसंवाद पोर्टल और समाधान शिविरों की लंबित शिकायतों पर की गई कार्रवाई (एटीआर) पोर्टल पर दर्ज करते हुए उनका निपटारा भी दस दिन के भीतर किया जाये। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे सुनिश्चित करें कि उनके कार्यालय संबंधी प्रोपर्टी आई बन चुकी है या नहीं। यदि नहीं बनी है तो तुरंत बनवायें। उन्होंने पंचायत एवं विकास विभाग के अधिकारियों को गांवों में मुनादी कराने के निर्देश दिये ताकि जिन लोगों के हैप्पी कार्ड बन चुके हैं वे उन्हें प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों के म्युटेशन संबंधी मामले लंबित हैं वे दस्तावेज पूरे कराकर राजस्व विभाग के जमा करायें। इसके बाद राजस्व विभाग में कोई दिक्कत पेश आती है तो उनके संज्ञान में लायें। संबंधित उपमंडल अधिकारियों का अमृत सरोवर, स्कूल, व्यायाम, आंगनबाड़ी केंद्रों की जांच कर वस्तुस्थिति प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। साथ ही भविष्य में टेंडर की अवधि बढ़ाने के लिये अनुरोध न करने, 25 जन?

करनाल के विकास कार्यो को लेकर विधायक जगमोहन आनंद ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से की मुलाकात

मुख्यमंत्री ने दिया आश्वासन- तीव्र गति से आगे बढ़ेंगे करनाल में विकास कार्य

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। के विधायक जगमोहन आनंद ने मंगलवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से करनाल के विकास कार्यों को लेकर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं के संबंध में चर्चा की। इसके साथ-साथ उन्होंने मकर संक्रांति व लोहड़ी की हार्दिक बधाई भी दी। विधायक जगमोहन आनंद ने मुलाकात के बाद बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से करनाल विधानसभा में चल रहे विकास कार्यों एवं करनाल के विकास को लेकर योजनाओं बारे विस्तार से चर्चा हुई। जिस पर उन्होंने विश्वास दिलाया कि करनाल के विकास कार्यों में पहले की ही तरह किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी बल्कि ओर तेज गति से विकास कार्य आगे बढ़ाए जाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने समस्त करनालवासियों को भी मकर संक्रांति व लोहड़ी की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि करनाल में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल जी के नेतृत्व में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं। दोनों का जब भी करनाल का दौरा होता है, करनाल को विकास परियोजनाओं की सौगात मिलती रहती है। पिछले दिनों भी केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल अपने करनाल दौरे के दौरान स्मार्ट सिटी के अंतर्गत 59 करोड़ की तीन परियोजनाओं की सौगात देकर गए थे।

मकर संक्रांति का पर्व नगर में पूरी आस्था के साथ मनाया

जगह-जगह बांटा गया खिचड़ी प्रसाद

■ कोंच

मकर संक्रांति का पर्व पूरी आस्था के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने भोर सुबह स्नान कर दान पुण्य किया। कई स्थानों पर खिचड़ी बांटी गयी।जेडीसी बैंक के पास पोद्दार भवन पर खिचड़ी वितरित की गयी।खिचड़ी वितरण व्यवस्था में सर्राफा व्यापारी जयप्रकाश सोनी, शैलेश, संजय सोनी, सुधीर, सुरेश, प्रमोद, अरुण, शंभूदयाल, कुलदीप, डीके, अनिल, सचिन, पवन, अमित, सावन,संजीव, विवेक अग्रवाल, शुभ, लाभ, अम्बर, दर्श, कान्हा,देवांस,अरविंद मिश्रा आदि लगे रहे। भाजपा नगर इकाई द्वारा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल के नेतृत्व में दरिद्र नारायण सेवा समिति आश्रम पर खिच?ी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर नगर अध्यक्ष ने कहा कि मकर संक्रांति पर्व सर्व समाज में समरसता का पर्व है, हम सभी लोगों को समाज के अंत्योदय हेतु सदैव प्रयत्नशील रहना चाहिए। यहां पर दरिद्रों सहित पार्टी नेताओं कार्यकर्ताओं के अलावा सैंकड़ों नागरिकों ने सामूहिक रूप से खिचड़ी प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक आशुतोष मिश्रा, दरिद्र नारायण सेवा समिति के संयोजक कढ़ोरे बाबूजी, दीपक मिश्रा, मनीष नगरिया, धर्मेंद्र राठौर, राघवेन्द्र निरंजन, शैलेन्द्र सर्राफ, बृजेंद्र कुशवाहा, सौरभ पुरवार, विकास पटेल, राजेंद्र दुबे आदि मौजूद रहे। कमला नेहरू बालिका इंटर कालेज के सामने खिचड़ी भोज के साथ ही जरूरतमंद लोगों के बीच साड़ी और कंबल वितरण किया गया। इस दौरान शिवाकांत शास्त्री, कढ़ोरेलाल बाबूजी, केशव बबेले, अशोक गुर्जर, बालेंदु पाठक, अभिनव बाजपेई, विनय यादव, आयुष यादव, नवनीत शास्त्री, विनीत मिश्रा, राहुल तिवारी, राजेंद्र दुबे, मदन, अश्विनी एड., रामकृष्ण पुरोहित आदि उपस्थित रहे। पानी की टंकी के पास युवा कोली कोरी समाज के जिलाध्यक्ष सुनील वर्मा सहित देवेंद्र वर्मा, ऋषभ अग्रवाल, लीची वर्मा, लखन वर्मा, देवेंद्र वर्मा आदि ने खिचड़ी वितरित की। रामगंज बाजार में व्यापारियों की ओर से खिचड़ी व लड्डू वितरण किया गया। कार्यक्रम में पहुंची भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल का पुष्पगुच्छ व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान बल्लू सर्राफ, रामलला अग्रवाल, शीलू अग्रवाल, कमलेश गिरवासिया, अनुज अग्रवाल, भूपेश अग्रवाल, अखिलेश अग्रवाल, सुमेश बजाज, पप्पू गुप्ता, सौरभ मिश्रा, धर्मेंद्र राठौर, बरदान अग्रवाल, विनोद गुप्ता, रामू अग्रवाल, शैलेन्द्र गर्ग, मनीष नगरिया, दीपक अग्रवाल, अजय अग्रवाल, विनोद चौधरी, प्रशांत अग्रवाल, राजाराम अग्रवाल आदि मौजूद रहे। गहोई भवन में गहोई समाज सेवा समिति द्वारा खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। यहां पर पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, अध्यक्ष आनंद सकेरे सहित सैंकड़ों लोग मौजूद रहे। प्रताप नगर में भी खिचड़ी वितरित की गयी। वितरण व्यवस्था में प्रार्थना रेजा, महेंद्र बेहरे, राजेंद्र बहरे, अनुज बहरे, शिखर बहरे, अंकित बहरे, सौरभ पुरवार, विकास पटेल, वैभव अग्रवाल, अंचल विलैया आदि उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति पर क्यों उड़ाई जाती है पतंग

■ संजय सोनी/अरूण पटेल

ग्रंथ रामचरितमानस के आधार पर श्रीराम ने अपने भाइयों के साथ पतंग उड़ाई थी। इस संदर्भ में बालकांड में उल्लेख मिलता है।

राम इक दिन चंग उड़ाई।
इंद्रलोक में पहुँची जाई॥

यह एक बड़ा ही रोचक प्रसंग है। पंपापुर से हनुमान को बुलवाया गया था। तब हनुमान जी बाल रूप में थे। जब वे आए,तब मकर संक्रांति का पर्व था। श्रीराम भाइयों और मित्र मंडली के साथ पतंग उड़ाने लगे। कहा गया है कि वह पतंग उड़ते हुए देवलोक तक जा पहुँची। उस पतंग को देख कर इंद्र के पुत्र जयंत की पत्नी बहुत आकर्षित हो गई।तथा वह उस पतंग और पतंग उड़ाने वाले के प्रति सोचने लगी-

जासु चंग अस सुन्दरताई।
सो पुरुष जग में अधिकाई॥

इस भाव के मन में आते ही उसने पतंग को हस्तगत कर लिया और सोचने लगी कि पतंग उड़ाने वाला अपनी पतंग लेने के लिए अवश्य आएगा। वह प्रतीक्षा करने लगी। उधर पतंग पकड़ लिए जाने के कारण पतंग दिखाई नहीं दी, तब बालक श्रीराम ने बाल हनुमान को उसका पता लगाने के लिए रवाना किया। पवन पुत्र हनुमान आकाश में उड़ते हुए इंद्रलोक पहुँच गए। वहाँ जाकर उन्होंने देखा कि एक स्त्री उस पतंग को अपने हाथ में पकड़े हुए है। उन्होंने उस पतंग की उससे माँग की। उस स्त्री ने पूंछा ÷यह पतंग किसकी है। हनुमानजी ने रामचंद्रजी का नाम बताया। इस पर उसने उनके दर्शन करने की अभिलाषा प्रकट की। हनुमान यह सुनकर लौट आए और सारा वृत्तांत श्रीराम जी को सुनाया। श्रीराम ने यह सुनकर हनुमान को वापस भेजा कि वे उन्हें चित्रकूट में अवश्य ही दर्शन देंगे। हनुमान ने यह उत्तर जयंत की पत्नी को सुनाया, जिसे सुनकर जयंत की पत्नी ने पतंग छोड़ दी। कथन है कि तिन तब सुनत तुरंत ही, दीन्ही में छोड़ पतंग।

खेंच लइ प्रभु बेग ही, खेलत बालक संग। अद्धुद प्रसंग के आधार पर पतंग की प्राचीनता का पता चलता है।

मकर संक्रांति पर्व के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना रहा

उरई। मकर संक्रांति पर्व के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना रहा,शान्ति एवं कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु जालौन पुलिस द्वारा होटल, रेस्टोरेन्ट, सिनेमाघर, रेलवे स्टेशन व अन्य संवेदनशील स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों/वस्तुओं की सघन चेकिंग की गयी।

संक्रांति के पर्व पर श्रद्धालुओं ने आस्था की लगाई डुबकी, सूर्य को जलांजलि दे किया दान

जालौन -उरई। मंगलवार को सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के साथ ही मकर संक्रांति के पर्व पर श्रद्धालुओं ने स्नान कर सूर्य को जल चड़ाया। लोगों ने घरों में तिल के लड्डू व दाल के पकौड़े खिलाए। मकर संक्रांति के मौके पर मंदिरों में खिचड़ी का दान दिया गया।

मकर संक्रांति का पर्व पर शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर लोगों ने सुबह से ही मंदिरों में पहुंचकर पूजा अर्चना की। लोगों ने स्नान कर सूर्य देवता के मकर राशि पर आने पर सूर्य देवता को जल चड़ाकर उनकी भी पूजा अर्चना की। इसके बाद खिचड़ी दान कर कन्याओं को खिचड़ी खिलाई गयी।

सुबह स्नान कर किया खिचड़ी, तिल आदि का दान- मकर संक्रांति पर नगर व ग्रामीण क्षेत्र में ब्राम्हणों व मंदिरों में खिचड़ी दान दी गयी तथा खिचड़ी खिलाई गयी। ग्रामीण क्षेत्रों के उरगांव, नैनापुरा, खनुआं, औरेखी, कुंवरपुरा, लौना, उदोतपुरा, पहाड़पुरा, सुड़ार सालाबाद, छिरिया सलेमपुर आदि गांवों भी मकर संक्रांति का पर्व मनाया गया। नगर में पैट्रोल पम्प वाले हनुमानजी मंदिर व देवी जी मंदिर पर श्रद्धालुओं ने खिचड़ी का वितरण किया। लोगों ने घरों में गुड़ व तिल के लड्डू बनवाए साथ ही मूंग के दाल के पकौड़े भी बनाए गए। जिन्हें अपने मिलने वालों और दोस्तों को खिलाया गया। पं. देवेन्द्र दीक्षित के अनुसार चंद्र के आधार पर माह के 2 भाग हैं कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष। इसी तरह सूर्य के आधार पर वर्ष के 2 भाग हैं उत्तरायन और दक्षिणायन। 6 माह सूर्य उत्तरायन रहता है और 6 माह दक्षिणायन। मकर संक्रांति के दिन से सूर्य उत्तरायन हो जाता है अर्थात धरती का उत्तरी गोलार्द्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है। मकर संक्रांति से रातें छोटी होने लगती हैं। इस पर्व के साथ ही सभी शुभ कार्य शुरू हो जाते हैं। मलमास समाप्त होने से घरों में मांगलिक और शुभ कार्य शुरू हो जाते हैं। मकर संक्रांति के पर्व पर तीर्थ स्नान और दान का महत्व है। परंपरा के अनुसार इस दिन लोग तिल का उबटन लगा कर स्नान करते हैं। तिल और गुड़ का दान भी करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मारपीट की घटना में तीन पर पुलिस ने किया मामला दर्ज

कोंच। मारपीट के मामले में पुलिस ने 3 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला तिलक नगर निवासिनी वर्षा पत्नी अतुल कुशवाहा ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 10 जनवरी की शाम उसका पति, देवर मोहित के साथ बगीचे से सूखी लकड़ियां बाइक पर रखकर घर आ रहे थे तभी रास्ते में मुहल्ले के ही निवासी ब्रजबिहारी शिवहरे ने अपने पुत्र पीयूष और अपने कुछ अज्ञात साथियों के साथ मिलकर पति की बाइक रोक ली। सभी लोगों ने एकराय होकर गाली गलौज करते हुए लाठी डंडे और लोहे के धारदार अस्त्र से पति व देवर को सड़क पर गिराकर बुरी तरह से मारा पीटा और दोनों को मरणासन्न स्थिति में छोड़कर सभी लोग भाग गए। इस दौरान पति के गले में से एक तोला सोने की चेन कहीं गुम हो गयी। वर्षा ने पुलिस को बताया कि घायलावस्था में पति और देवर को उपचार हेतु डॉ जैन के यहां लेकर गए जहाँ से झाँसी रेफर कर दिया गया। झाँसी में भी हालत में सुधार न होने पर ग्वालियर रेफर.कर दिया गया जहाँ उपचार चल रहा है। घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी पिता पुत्र सहित कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 110, 115(2), 118(1), 126(2), 351(2), 352 में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गुमटी में आग लगने से 30 हजार का नुकसान पीड़ित ने पुलिस से की शिकायत

कोंच। गुमटी में आग लगने से तक़रीबन 30 हजार रुपये का नुकसान हो गया। पीड़ति व्यक्ति ने पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर आग लगाने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र केमुहल्ला भगत सिंह नगर निवासी बड़े पुत्र सलीम ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि वह बारहखंभे के पास लकड़ी की गुमटी रख कर चाय गुटखा आदि बेचता है। रविवार की रात गुमटी बंद कर वह घर आ गया जिसके बाद किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी गुमटी में आग लगा दी। आसपास के लोगों की सूचना पर वह मौके पर पहुंचा तब तक गुमटी में रखा 30 हजार रुपये का सामान जलकर खाक हो चुका था। सूचना पर डायल 112 पुलिस ने आकर मौके पर जांच भी की। पीड़ति बड़े ने घटना को लेकर पुलिस से कार्यवाही किए जाने की मांग की है। पुलिस ने जांच कर कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए।

झगड़ा कर मारपीट की शिकायत पीड़ित ने सीओ से की

कोंच। कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम देवगाँव निवासी राधारमण पुत्र कमल किशोर ने क्षेत्राधिकारी ऑफिस में प्रार्थनापत्र देकर बताया कि रविवार की देर शाम घर के बाहर उसका 9 वर्षीय पुत्र राम पड़ोसी 10 वर्षीय बालिका के साथ खेल रहा था। इसी दौरान दोनों में झगड़ा हो गया जिसके बाद बालिका की माँ मौके पर आ गयी और उसने राम के सिर पर ईंट फेंक कर मारी जिससे राम बाल बाल बच गया। कुछ देर बाद बालिका के अन्य परिजन मौके पर आए और उसे पकड़ कर अपने घर पर ले गए जहाँ गाली गलौज कर लात घूसों से उसे बुरी तरह मारा पीटा और पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। दूसरी ओर तारा देवी पत्नी गेंदनलाल ने भी शिकायती पत्र देकर बताया कि दूसरे पक्ष के लोगों ने उसे व उसके बेटे के साथ जातिसूचक गाली गलौज कर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। मामले को लेकर दोनों पक्षों ने कार्यवाही किए जाने की मांग।

खाने के दौरान दबंग ने युवक से की मारपीट

जालौन-उरई। खाना खाने के दौरान एक युवक ने दूसरे युवक के साथ गाली, गलौज करते हुए मारपीट कर दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई की है। माधौगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम सिरसा दोगड़ी निवासी राकेश कुमार ने पुलिस को बताया कि वह छिरिया सलेमपुर बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के नजदीक एक होटल पर खाना खाने के लिए गए था। खाना खाने के दौरान वहां मौजूद अनिकेत निवासी भंगा थाना माधौगढ़ उसके साथ रंगबाजी दिखाते हुए गाली, गलौज करने लगे। जब उसने गाली देने से मना किया तो उसने मारपीट शुरू कर दी। जिसमें उसे चोटें आई हैं। मारपीट के बाद उसने शिकायत करने पर धमकी दे डाली। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है।

युवक के साथ गाली-गलौज व मारपीट की

जालौन-उरई। युवक के साथ गाली-गलौज व मारपीट करने की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिकरीराजा निवासी जितेंद्र कुमार मोहल्ले के लोगों के साथ झगड़ा व मारपीट कर रहा था। मोहल्ले के लोगों ने समझाने का प्रयास किया। न मानने पर उन्होंने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है।

चंपारण का ज्वलंत मुद्दाः

सिकरहना तटबंध रोको संघर्ष समिति ने सुगौली मे किया आम सभा

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

मोतिहारी। सिकरहना नदी पर बनाये जा रहे तटबंध के विरोध में बुधवार को सुगौली स्थित डाकबंगला मैदान में हजारो किसानो ने सिकरहना तटबंध रोको संघर्ष समिति के बैनर तले विशाल आमसभा का आयोजन किया।जिसमे बंजरिया व सुगौली प्रखंड के साथ मोतिहारी सदर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न दलो के जनप्रतिनिधि व आम लोग शामिल हुए।सभा की अध्यक्षता आरिफ हुसैन ने किया।जबकि सभा का संचालन मधुमालती निवासी मनोज यादव ने किया।बैठक को संबोधित करते पूर्व मंत्री सह भाजपा के वरिष्ठ नेता रामचंद्र सहनी ने कहा कि तटबंध बनाने का सरकार का निर्णय अमानवीय है।इससे जान माल की भारी क्षति होगी।पूर्व मंत्री सह विधायक डा.शमीम अहमद ने कहा कि तटबंध से लाखो लोग विस्थापित होगे।कई गांव के बड़ी आबादी डुब जायेगी।चार दशक पूर्व तटबंध बनाने की परिकल्पना हुई थी।जिसे धरातल पर अब उतारा जा रहा है।जबकि इतने दिनो में भौगौलिक स्थिति बदल चुकी है। आम सभा को संबोधित करते कल्याणपुर विधायक मनोज यादव ने कहा की बांध को हर हाल रुकवाने का कार्य करेंगे।विधायक ई.शशि भूषण सिंह ने कहा की इस बांध से आम जनो को फायदा कुछ नहीं सिर्फ नुकसान ही नुकसान है, इसी लिए हम लोगो का इस बांध को रोकने के लिए हर संभव कोशिश जारी रहेगा।पत्रकार ओजैर अंजुम ने लोगो को संबोधित करते हुए कहा बांध बनने से घरों की खुशहाली चली जाएगी लोग बेहाल हो जाएंगे हमलोग किसी भी कीमत पर बांध।नहीं बंधने देंगे। पूर्व मंत्री विजय गुप्ता ने बांध नहीं बांधने की बात कही और लोगों को भरोसा दिलाया की हम लोग।आलाधिकारी और इससे संबंधित मंत्री और मुख्यमंत्री तक बाते पहुंचाई जाएगी। वही आम सभा मंजर नसीम,तौफीकुर्रहमान विकाश कुमार शर्मा,शे.एकबाल,मुखिया आदिल राणा सहित कई जनप्रतिनिधियो व किसानो ने भी संबोधित करते एक स्वर से बांध निर्माण का विरोध किया।

भुगतान के पूर्व योजनाओं का भौतिक सत्यापन जरूर करें - जिलाधिकारी

लंबित योजनाओं को तुरंत पूरा करते हुए अभिलेख को विधिवत करें क्लोज।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय द्वारा आज समाहरणालय सभागार में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, जल-जीवन-हरियाली सहित अन्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की कार्य प्रगति की समीक्षा की गयी। मनरेगा योजना की समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने सभी पीओ को निर्देश दिया कि विभागीय दिशा-निर्देश का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते हुए योजनाओं का क्रियान्वयन कराना सुनिश्चित करें। लंबित योजनाओं को तुरंत पूरा करते हुए अभिलेख को विधिवत क्लोज करें। उन्होंने निर्देश दिया कि अभिलेख संधारण अच्छे तरीके से करें ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने निर्देश दिया कि भुगतान के पूर्व योजनाओं का भौतिक सत्यापन जरूर करें। कार्य गुणवतापूर्ण होने के उपरांत ही भुगतान करें। उन्होंने निर्देश दिया कि मनरेगा के तहत किये जा रहे कार्यों की सतत मॉनिटरिंग अनिवार्य रूप से करें। मनरेगा की योजनाओं की प्रखंड विकास पदाधिकारियों से सूक्ष्मता से जांच करायी जायेगी। तकनीकी समस्या होने पर संबंधित वरीय अधिकारियों से वार्ता कर समाधान कराना सुनिश्चि करें।

ओवरटेक करने के चक्कर में अनियंत्रित कार ने बाइक में मारी टक्कर, तीन युवक घायल

जालौन-उरई। चार पहिया वाहन ने ओवरटेक करने के चक्कर में अनियंत्रित होकर बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीन युवक घायल हुए। एक की हालत गंभीर होने पर उसे उच्च संस्थान रेफर किया गया। माधौगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम रूरा निवासी राहुल (21), दीपू (22) निवासी नौरेजपुर पीपरी व राजेश (50) निवासी गोपालपुरा बाइक से जालौन की ओर से बंगरा की ओर जा रहे थे। जब वह बाइक से सुड़ार सालाबाद स्थित बंबी के पास पहुंचे। तभी पीछे से आ रही एक कार ने उन्हें ओवरटेक करने का प्रयास किया। ओवरटेक करते समय तेज रफ्तार कार का चालक कार पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर मारकर कार चालक कार लेकर मौके से भग निकला। मौके से निकल रहे राहगीरों ने डायल 112 को सूचना दी। एंबुलेंस से तीनों घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया। जहां एक युवक की हालत गंभीर होने पर उसे उच्च संस्थान रेफर किया गया।

भगवान को प्राप्त करने का उपाय नही किया तो चौरासी लाख योनियों में भटकना पड़ेगा- कथा वाचक

■ कोंच

एट तिराहे पर नहर किनारे स्थित पूर्व ब्लॉक प्रमुख ऐंद्रकुमार निरंजन के आवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ के दौरान कथा व्यास पं. राजेश्वर महाराज ने बताया कि अगर भगवान को प्राप्त करने का उपाय नहीं किया तो जीव को चौरासी लाख योनियों में भटकना पड़ता है।

कथावाचक ने कहा कि भक्तों के कष्ट दूर करने के लिए ही भगवान का इस धरा पर आविर्भाव होता है किंतु यह तभी संभव है जब भक्त निश्छल और कपटरहित हृदय से उनका स्मरण करता है। उन्होंने परमात्म तत्व के बारे में भी श्रोताओं को विस्तार से बताया। कथा व्यास कहते हैं, गाय, ब्राह्मण, संत और सत्संगी जीवों पर जब भी विपत्ति आती है और वे निर्मल मन से जब भगवान का स्मरण करते हैं तब परमात्मा किसी न किसी रूप में इस धरा धाम पर अवतार धारण करते हैं। परमात्मा का वास सब जगह है, बस जरूरत है उसे पहचानने की, जो भी उसे सच्चे मन से स्मरण करता है वह अवश्य ही उसे प्राप्त होते हैं। उन्होंने ऋषि कर्दम और देवहूति के विवाह, भगवान कपिल का अवतार और ब्रह्मा जी से अंगिरा, पुलस्त्य, अत्रि, वशिष्ठ, भृगु, अथर्व, नारद आदि दस ऋषियों के प्रादुर्भाव और उनमें से नौ के विवाहों की सुंदर कथा का श्रवण कराया। उन्होंने गंगावतरण की मनभावन कथा सुनाते हुए कहा कि राजा सगर के पुत्रों के मोक्ष के लिए रघुवंश के तमाम राजाओं ने पतित पावनी गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिए नाना प्रकार के उपाय किए लेकिन किसी को भी सफलता नहीं मिली। इसी रघुवंश में भगीरथ नाम के एक प्रतापी राजा हुए, उन्होंने गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिए घोर तपस्या की और अंततः वह उन्हें लाने में सफल रहे। कथा विश्राम पर परीक्षित माधुरी-ऐंद्रकुमार सिंह निरंजन ने भागवत महापुराण की आरती उतारी और फिर प्रसाद वितरित किया गया।

साहित्यकार की स्मृति में कवि सम्मेलन का आयोजन

■ कोंच

साहित्यकार स्व. रामरूप स्वर्णकार की स्मृति में आयोजित किए गए कवि सम्मेलन में उपस्थित कवियो ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

पंकज हिंदी व बुंदेली संवर्धन संस्थान के तत्वाधान में नगरपालिका के सामने पुराने अस्पताल में स्थित आनंदेश्वर शिव मंदिर में पूर्व बारसंघ अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित किए गए कवि सम्मेलन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान शंकर के पूजन अर्चन से हुई। संतोष तिवारी सरल ने मां वागीश्वरी शारदा का आह्वान किया। कवि सुनीलकांत तिवारी ने संचालन करते हुए रचना बांची, जा छिपे अपने बिलों में सांप सब सहमे हुए, नफरतों के जहर से हम इतने जहरीले हुए। साहित्यकार नरेंद्र मोहन मित्र ने रचना पाठ किया, जहां प्रेम को वंदन कर लूं ऐसा स्थल नहीं मिला, संत कबीरा जैसा निश्छल मनुआ निर्मल नहीं मिला। नंदराम भावुक ने पढ़ी, धर्म जाति मजहब से ऊपर है यह देश हमारा, भारत माता की जय बोलो वंदेमातरम नारा। ऋतु चतुर्वेदी ने कविता पाठ किया, मन का पंछी घर से अपने रोज कहीं उड़ जाता है, तरसे बरसे नैना लेकर सांझ तरे घर आता है। राजेश चंद्र गोस्वामी ने व्यंग्य पढ़ा, समाज में अभी तक कुछ लोग ऐसे मिलते थे जो गिरगिट को मानते थे अपना आदर्श, अब समाज में कुछ लोग ऐसे भी मिलने लगे हैं जिन्हें मानता है गिरगिट अपना आदर्श। डॉ. हरिमोहन गुप्त, मोहनदास नगाइच, राजेंद्र सिंह गहलोत, आनंद शर्मा, मुन्ना यादव विजय, अरुण कुमार वाजपेयी, अमन, संजीव सरस, उमेशचंद्र स्वर्णकार आदि ने भी रचनाएं पढ़ीं। आभार कार्यक्रम संयोजक भास्कर सिंह माणिक्य ने जताया।

2050 तक डूब जाएगा आस्ट्रेलिया का पड़ोसी तुवालु देश

एजेंसी, कैनबरा

ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पूर्व में स्थित तुवालु द्वीप वैश्विक तापमान वृद्धि की वजह से समुद्र में डूब रहा है। तुवालु द्वीप प्रशांत महासागर में स्थित यह देश कुछ सालों में दुनिया के नक्शे से गायब हो जाएगा। नासा के मुताबिक, 2050 तक तुवालु के मुख्य एटॉल, फ़ुनाफ़ुटी का आधा हिस्सा डूब जाएगा। इसकी जनसंख्या का क्रमशः विस्थापन किया जा रहा है। यह देश चार द्वीप और और पांच एटाल से मिलकर बना है। 12,373 लोगों की जनसंख्या के साथ यह दुनिया का तीसरा कम जनसंख्या वाला संप्रभु देश है, इससे कम आबादी वाले देशों में केवल वेटिकन और नारु ही हैं। 9 छोटे-छोटे रिंग शेप द्वीपों (एटॉल) में बसे तुवालु देश की औसत ऊंचाई समुद्र तल से सिर्फ 2 मीटर है. पिछले तीन दशकों में तुवालु में समुद्र का स्तर 15 सेंटीमीटर बढ़ गया है, जो वैश्विक औसत का डेढ़ गुना है।

सबसे कम आबादी वाला देश

तुवालु द्वीप, वेटिकन सिटी के बाद दुनिया का सबसे कम आबादी वाला देश है. यहां बमुश्किल 11 हजार लोग रहते हैं. जिन्हें अपनी और आने वाली नस्लों की जान बचाने के लिए यहां से विस्थापित होना पड़ेगा. यही उनके पास एकमात्र विकल्प है।

पानी से घिरा पर पाने को पानी नहीं

तुवालु में खारे पानी ने भूजल को दूषित कर दिया है, जिससे मीठे पानी की कमी हो गई है। यहां सब्जियां और खाद्य पदार्थ उगाने के लिए बारिश के पानी को टैंकों में इकट्ठा करके रखा जाता है। यहां खासा जलसंकट है। यहां के लोग बच्चे पैदा करने से डरते हैं ना जाने उनका भविष्य क्या होगा?

इस साल से विस्थापन शुरु

साल 2023 में तुवालु और ऑस्ट्रेलिया के बीच 2023 में एक समझौता हुआ। इसके तहत 2025 से हर साल 280 लोगों को ऑस्ट्रेलिया में स्थायी रूप से विस्थापित किया जाएगा ताकि इसके डूबने से पहले सारे लोग सुरक्षित आशियानों में पहुंच जाएं।

राहुल गांधी की गलत एंट्री से कांग्रेस में बवाल

राहुल संविधान, आरक्षण, जाति जनगणना, अंबानी, अडाणी, मोदी पर ही अटके रहे।

इंडिया गेट से

अजय सेतिया की कलम से

दो राहुल गांधी की दिल्ली के चुनाव में एंट्री हो गई है। सीलमपुर में अपनी पहली रैली में केजरीवाल के खिलाफ राहुल गांधी ने मोर्चा खोला, लेकिन वह केजरीवाल से ज्यादा भाजपा पर हमलावर थे। वही लोकसभा वाले भाषण का टेप बजा दिया। संविधान, आरक्षण, जाति जनगणना, अंबानी, अडाणी, मोदी पर ही अटके रहे। उनके मुंह से न एक बार शीशमहल निकला, न एक बार शराब घोटाला निकला। लगता है वियतनाम का नशा उतरा नहीं, पूरी तरह कन्फ्यूज हैं कि चुनाव लोकसभा के हो रहे हैं या विधानसभा के। वह भाजपा को हराना चाहते हैं या केजरीवाल को। भाजपा तो पहले ही हारी हुई है। भाजपा से लड़कर वह क्या हासिल करेंगे। केजरीवाल से भाजपा लड़ रही है। कैग रिपोर्टों को लेकर वह उच्च न्यायालय पहुंच गई और उच्च न्यायालय ने केजरीवाल की खाट खड़ी कर दी। शीशमहल और शराब घोटाले पर जो कैग रिपोर्ट लीक हुई है, केजरीवाल उसे फर्जी कह रहे हैं। अगर वे फर्जी हैं तो तुरंत विधानसभा का सत्र बुलाएं और असली कैग रिपोर्ट सदन में रख दें। दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा। भाजपा इसी लिए उच्च न्यायालय गई है। प्रशासन ने कोर्ट में कह दिया है कि चुनाव सिर पर हैं, अभी विधानसभा सत्र बुलाने का कोई फायदा नहीं तो यह आतिशी मार्लेना ने ही कहलवाया होगा। क्योंकि, विधानसभा सत्र बुलाना स्पीकर का काम है, प्रशासन का नहीं। और प्रशासन ने जो बड़ी बात कही, वह यह है कि कैग रिपोर्ट्स स्पीकर को सौंप दी हैं। आपको पता है कि हार के डर से स्पीकर चुनाव नहीं लड़ रहे, लेकिन स्पीकर अभी भी केजरीवाल के चमचे बने हुए हैं। नहीं तो वह सत्र बुला लेते। राहुल गांधी तब केजरीवाल से लड़ते दिखते, जब वह कैग रिपोर्ट्स को मुद्दा बनाते। राहुल गांधी की समस्या ही यह है कि वह तीर निशाने पर नहीं लगाते। कांग्रेस ने जब तय कर लिया था कि चिड़िया की आंख केजरीवाल है तो रैली सीलमपुर में क्यों रखी गई। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को समझा समझा कर थक गए, पर राहुल गांधी के पल्ले नहीं पड़ा। वह एक कदम आगे जाते हैं तो दो कदम पीछे चले जाते हैं। वह केजरीवाल से लड़ते दिखना नहीं चाहते। अगर, वह केजरीवाल से लड़ते दिखना चाहते तो अपनी पहली रैली नई दिल्ली सीट पर संदीप दीक्षित के पक्ष में करते, जहां केजरीवाल चुनाव लड़ रहे हैं। लेकिन, उन्होंने पहली रैली का स्थान चुना सीलमपुर। जहां आम आदमी पार्टी से आए विधायक अब्दुल रहमान कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। जबकि, कांग्रेस के हैवी वेट मतीन खान आम आदमी पार्टी में चले गए हैं। वह सीलमपुर से पांच बार विधायक रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने उनके बेटे जुबेर अहमद को टिकट दिया है। सीलमपुर दिल्ली में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला विधानसभा क्षेत्र है। सीलमपुर में रैली करके राहुल गांधी ने बता दिया कि उसका इरादा केजरीवाल को हराना नहीं है, उसका इरादा भाजपा को हराना भी नहीं है। उसका तो लिमिटेड उदेश्य मुस्लिम वोट बैंक को वापस लाना है, जो पिछले तीन चुनावों में केजरीवाल कांग्रेस से छीनकर ले गए। अगर राहुल गांधी मुस्लिम बहुल सात-आठ सीटों पर ही अटके रहेंगे तो केजरीवाल को नहीं हरा सकते। राहुल गांधी वही लोकसभा चुनाव वाली संविधान की रट लगाए रहे। भाजपा के खिलाफ बोलने का मकसद भी सिर्फ मुसलमानों और दलितों को डराना है। जिस अंबेडकर को कांग्रेस ने निकाल बाहर किया था, अब कांग्रेस दिन-रात अंबेडकर को सिर पर उठाए घूमती है, क्योंकि दलित जागृत हो गया है और कांग्रेस से खिसक चुका है। कांग्रेस ने रैली का नाम जय बापू, जय भीम, जय संविधान दिया, क्योंकि कांग्रेस का लक्ष्य सिर्फ मुस्लिम और दलित हैं, इसलिए यह नारा दिया गया है। लेकिन, दिल्ली के चुनावों का फैसला इस बार पूर्वांचली वोटर करेगा, जो कम से कम 20 सीटों का फैसला तो करता ही है। बाकी सीटों पर भी प्रभाव डालता है। मोटे तौर पर झुग्गी झोपड़ी के वोटर, इनमें ज्यादातर पूर्वांचली है, उनमें कुछ दलित समुदाय के वोटर भी हैं। इन सब पर इस बार भाजपा ने पूरा जोर लगा दिया है। पिछले छह महीनों से भाजपा के 600 विस्तारक इन झुग्गी झोपड़ियों में काम कर रहे हैं। झुग्गी झोपड़ियों में महिलाओं की कीर्तन मंडलियां भी बनाई गई हैं। शनिवार को अमित शाह ने झोपड़ियों के प्रधानों और कीर्तन मंडलियों को संबोधित किया तो केजरीवाल की नींद उड़ गई। वह भागे भागे तुगलकाबाद पहुंचे और अपने 250-300 समर्थकों को संबोधित करते हुए ऐलान कर दिया कि भाजपा तोड़ी गई झुग्गियों को दुबारा बना दे तो वह चुनाव मैदान से हट जाएंगे। भाजपा ने केजरीवाल को चारों तरफ से घेर लिया, इसलिए केजरीवाल मारे-मारे फिर रहे हैं। चारों तरफ से घिर चुके केजरीवाल अब चुनाव मैदान से हटने या दो सीटों से चुनाव लड़ने का मन भी बना रहे हैं। अगर केजरीवाल चुनाव मैदान से भागे तो सिसोदिया और सत्येन्द्र जैन को भी मैदान से हटाया जाएगा। ताकि, अपनी ध्वस्त हो गई छवि को सुधारने के लिए कह सकें कि जब तक ट्रायल का फैसला नहीं हो जाता, तब तक वे चुनाव नहीं लड़ेंगे। लेकिन, इतने ही साफ सुथरे होते तो चुनावों में ट्रायल रुकवाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय नहीं जाते। सरकार का इरादा तो चुनाव के दौरान ट्रायल का था, ताकि दिल्ली की जनता सबूत देखती, लेकिन केजरीवाल ने कैग रिपोर्ट भी दबा दी और ट्रायल भी रुकवा लिया और राहुल गांधी पर दबाव भी बनाए हुए हैं।

सार समाचार

यमन में गैस स्टेशन पर विस्फोट, 15 की मौत

यमन। मध्य यमन में एक गैस स्टेशन पर विस्फोट के कारण भीषण आग लग गई, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई। यह विस्फोट बायदा प्रांत के जहेर जिले में हुआ। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 67 अन्य लोग घायल हुए, जिनमें 40 की हालत गंभीर है। मंत्रालय ने कहा कि बचाव दल लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि विस्फोट किस कारण से हुआ। सोशल मीडिया पर प्रसारित फुटेज में भीषण आग दिखाई दे रही थी। बता दें कि बायदा पर ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों का नियंत्रण है।

मस्क ने चांस्लर शोल्ज को हराने की अपील की

वॉशिंगटन। अमेरिकी अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने जर्मनी के लोगों से चांस्लर ओलाफ शोल्ज को हराने की अपील की है। मस्क का यह बयान जर्मनी में सत्तारूढ़ दल सोशल डेमोक्रेट्स की तरफ से शनिवार को को संघीय चुनाव में शोल्ज को प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद आया है। जर्मनी में 23 दिसंबर को संघीय चुनाव होंगे। मस्क ने सोशल मीडिया पर यह बयान दो रिपोर्टों के जवाब में दिया। इनमें एक रिपोर्ट शोल्ज को फिर से प्रत्याशी बनाए जाने से संबंधित था।

जांच करने वाले अभियोजक जैक स्मिथ का इस्तीफा

न्यूयॉर्क। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ी अपनी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद विशेष अभियोजक जैक स्मिथ ने न्याय विभाग से इस्तीफा दे दिया। स्मिथ का यह कदम अनापेक्षित नहीं है, क्योंकि इस बात पर कानूनी विवाद चल रहा है कि दस्तावेज का कितना हिस्सा सार्वजनिक किया जा सकता है। विभाग ने शनिवार को अदालत में दाखिल एक जवाब में स्मिथ के जाने का खुलासा करते हुए कहा कि उन्होंने एक दिन पहले ही इस्तीफा दे दिया था।

महिलाओं को इंसान मानता ही नहीं है तालिबान

इस्लामाबाद। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने रविवार को अफगानिस्तान के तालिबान शासन की आलोचना की। मलाला ने कहा कि तालिबान ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों को संस्कृति व धर्म की आड़ में छिपाकर उनके खिलाफ लैंगिक रंगभेद की व्यवस्था स्थापित की है। इस्लामाबाद में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान मलाला ने कहा, सरल शब्दों में कहें तो तालिबान महिलाओं को इंसान नहीं मानता। वे अपने अपराधों को सांस्कृतिक व धार्मिक औचित्य की आड़ में छिपाते हैं।

बंधकों की रिहाई को लेकर जल्द समझौते की उम्मीद

इजराइल-हमास के बीच थम सकती है जंग

■ तीन अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि संघर्ष विराम समझौते में प्रगति हुई है

एजेंसी, काहिरा

अमेरिका और अरब के मध्यस्थों ने इजरायल-हमास के बीच संघर्ष विराम कराने और गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए कई लोगों की रिहाई की दिशा में रातों रात महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है, लेकिन अभी तक कोई समझौता नहीं हो सका है। अधिकारियों ने सोमवार को इस बारे में जानकारी दी है। तीन अधिकारियों ने संघर्ष विराम वार्ता में प्रगति को स्वीकार करते हुए कहा कि आने वाले दिन 15 महीने से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिहाज से अहम होंगे, जिसने पश्चिम एशिया को अस्थिर कर रखा है। अधिकारियों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर यह जानकारी दी है क्योंकि वो इस वार्ता पर चर्चा करने के लिए अधिकृत नहीं थे। इन तीन अधिकारियों के अलावा हमास के भी एक अधिकारी ने कहा कि अभी कई बाधाएं दूर होनी बाकी हैं। पिछले साल कई मौकों पर अमेरिकी अधिकारियों ने कहा था कि वो एक समझौते पर पहुंचने की कगार पर थे, लेकिन बातचीत ठप हो गई।

रातों-रात समझौते में दिखी प्रगति

बातचीत से परिचित एक शख्स ने कहा कि रातों-रात एक सफलता मिली है और प्रस्तावित सौदे पर बात बन सकती है। इस्राइल और हमास के वार्ताकार अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए अपने नेताओं के पास वापस ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि खाड़ी देश कतर के मध्यस्थों ने हमास पर समझौते को स्वीकार करने के लिए नए सिरे से दबाव डाला है, जबकि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ इस्राइलियों पर दबाव डाल रहे हैं। विटकॉफ हाल ही में वार्ता में शामिल हुए और हाल के दिनों में इस क्षेत्र में रहे हैं।

अपने-अपने नेताओं के पास भेजेंगे

वार्ता से अवगत एक शख्स ने कहा कि रातों रात सफलता मिली और समझौते का एक प्रस्तावित मसौदा पेश किया गया है। शख्स ने कहा कि इजरायल और हमास के वार्ताकार अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए अपने-अपने नेताओं के पास भेजेंगे। संबंधित व्यक्ति ने यह भी कहा कि खाड़ी देश कतर के मध्यस्थों ने हमास पर समझौते को स्वीकार करने के लिए नए सिरे से दबाव बनाया है, जबकि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ इजरायलियों पर दबाव डाल रहे हैं।

लग सकता है समय

विटकॉफ हाल ही में वार्ता में शामिल हुए और हाल के दिनों में इस क्षेत्र में ही रहे हैं। वार्ता से अवगत इस व्यक्ति ने कहा कि मध्यस्थों ने प्रत्येक पक्ष को समझौते का मसौदा सौंप दिया है और अगले 24 घंटे महत्वपूर्ण होंगे। मिस्र के एक अधिकारी ने कहा कि रातों रात अच्छी प्रगति हुई है, लेकिन इसमें कुछ और दिन लगने की संभावना है। इस अधिकारी ने कहा कि दोनों पक्षों का लक्ष्य ट्रंप के 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने से पहले एक समझौते पर पहुंचना है।

रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी

हमास ने सात अक्तूबर 2023 को इस्राइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इस्राइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इस्राइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। उस समय हमास ने इस्राइल में हमला कर करीब 1,200 लोगों को मार डाला और 250 लोगों को अगवा कर लिया था। अब भी करीब 100 बंधक गाजा में हैं, जिनमें से इस्राइल का मानना है कि एक तिहाई बंधक हमले में मारे गए थे या कैद में मारे गए।

विद्रोहियों को बना रहे थे निशाना

नाइजीरियाई सेना के हवाई हमलों में गलती से कई नागरिकों की मौत

अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि कितने नागरिक मारे गए हैं

एजेंसी, नाइजीरिया

नाइजीरिया के उत्तरी-पश्चिम इलाके में सेना के हवाई हमले में कई नागरिकों की मौत हो गई। सेना संघर्षरत इलाकों में हथियारबंद समूहों को निशाना बनाने का प्रयास कर रही थी। ये नागरिक स्थानीय सुरक्षा बलों के साथ मिलकर काम कर रहे थे। नागरिकों पर यह हमला गलती से हुआ। अधिकारियों और स्थानीय निवासियों ने यह जानकारी दी। पिछले एक साल में सेना का यह तीसरा हवाई हमला है, जिसमें नागरिकों की जान गई। नाइजीरिया सेना जमफारा राज्य के जुरमी और मराजुन इलाकों में विद्रोही समूह को निशाना बना रही थी। राज्य के गवर्नर के प्रवक्ता सुलैमान बाला इदरीस ने रविवार को बताया कि हवाई हमले में कुछ नागरिकों की भी मौत हो गई। ये लोग 'नागरिक संयुक्त कार्यबल' और 'स्थानीय सतर्कता बल' के सदस्य थे। इदरीस ने बताया कि ये लोग इलाके से भाग रहे थे। इसलिए इन्हें गलती से डाकू समझ लिया था। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि कितने नागरिक मारे गए हैं।

400 नागरिकों की मौत हो चुकी है

लागोस स्थित अनुसंधान संस्था 'एसबीएम इंटेलिजेंस' की रिपोर्ट के मुताबिक, नाइजीरियाई सेना अक्सर विद्रोहियों से निपटने के लिए हवाई हमले करती है। लेकिन इन हमलों में 2017 से अब तक 400 नागरिकों की मौत हो चुकी है। दिसंबर 2023 में नाइजीरियाई सेना ने कादुना राज्य में एक धार्मिक आयोजन के दौरान हवाई हमला किया था। जिसमें 80 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद मई 2024 में नाइजीरियाई सेना कहा था कि दो सैनिकों को कोर्ट मार्शल का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, इस मामले में जांच के परिणाम कभी सार्वजनिक नहीं किए गए। मानवाधिकार संगठनों ने पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाते हुए नाइजीरियाई सेना की आलोचना की है। उनका कहना है कि इस तरह के मामलों में स्पष्टता और जवाबदेही की आवश्यकता है। नाइजीरियाई वायु सेना ने भी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया। स्थानीय निवासी सलिसु मराजुन ने बताया कि उन्होंने 20 शवों को गिना। 10 अन्य लोग घायल हुए और उनका उपचार चल रहा है।

50 अरब रुपये के गबन

अल कादिर मामले में तीसरी बार टला फैसला

■ जज नासिर जावेद राणा ने 18 दिसंबर को ही इस मामले पर सुनवाई पूरी कर ली थी

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान की एक अदालत ने अल कादिर ट्रस्ट में हुए कथित भ्रष्टाचार मामले में तीसरी बार फैसला टाल दिया है। करीब 50 अरब पाकिस्तानी रुपये के इस कथित भ्रष्टाचार मामले में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी आरोपी हैं। इस्लामाबाद की भ्रष्टाचार रोधी अदालत अब 17 जनवरी को इस मामले में अपना फैसला सुना सकती है। अदालत के जज नासिर जावेद राणा ने 18 दिसंबर को ही इस मामले पर सुनवाई पूरी कर ली थी। जज ने सुनवाई पूरी करने के बाद 23 दिसंबर को फैसले की तारीख तय की थी। हालांकि बाद में उन्होंने फैसला 6 जनवरी तक टाल दिया। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, जज नासिर

जावेद राणा के 6 जनवरी को छुट्टी पर होने की वजह से फैसला 13 जनवरी तक स्थगित कर दिया गया था। जज ने आरोपी के कोर्ट में मौजूद नहीं होने की वजह से सोमवार को फैसला नहीं सुनाया। अब एक बार फिर जज ने अल कादिर ट्रस्ट मामले पर अपना फैसला 17 जनवरी तक टाल दिया है। अल कादिर ट्रस्ट मामले में फैसला ऐसे समय स्थगित हुआ है, जब सरकार और इमरान खान के नेतृत्व वाली पीटीआई के बीच बातचीत जारी है। देश में राजनीतिक अस्थिरता का माहौल है। इमरान खान और उनकी पार्टी के कई नेता जेलों में बंद हैं। अब तक पाकिस्तानी सरकार और पीटीआई के बीच दो राउंड की बातचीत हो चुकी है और तीसरे राउंड की बातचीत इस हफ्ते ही होने की उम्मीद है।

खास संयुक्त राष्ट्र ने इसे मानव स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए मूलभूत खतरा करार दिया

अचानक खतरनाक रूप से जहरीली हो गई बांग्लादेश की हवा, दवा भी बेअसर

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश की हवा अचानक खतरनाक रूप से जहरीली हो गई है। ढाका के अस्पतालों में हवा में मौजूद दवा-प्रतिरोधी बैक्टीरिया (ड्रग-रेजिस्टेंट बैक्टीरिया) गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं। ये बैक्टीरिया मरीजों और अस्पताल के स्टाफ के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं। फरवरी से जून 2023 के बीच एक स्टडी के जरिए ढाका के चार प्रमुख अस्पतालों की हवा की जांच की गई। इन अस्पतालों में ढाका मेडिकल कॉलेज, बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी, ख्वाजा बदरुद्दुजा मॉडर्न अस्पताल और मोन्नो मेडिकल कॉलेज शामिल हैं।

खतरनाक बैक्टीरिया शामिल हैं

अस्पतालों की हवा में 11 प्रकार के बैक्टीरिया पाए गए। इनमें स्टैफिलोकोकस ऑरियस, ई. कोलाई और स्यूडोमोनास एरुजिनोसा जैसे खतरनाक बैक्टीरिया शामिल हैं। ये बैक्टीरिया निमोनिया, यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन और रक्त संक्रमण जैसी गंभीर बीमारियां पैदा कर सकते हैं। स्टडी में पता चला कि अस्पतालों में PM2.5 और PM10 का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से कई गुना अधिक है। ढाका मेडिकल कॉलेज में PM2.5 का स्तर 220.60 g/m तकपहुंच गया। ये सूक्ष्म कण फेफड़ों और खून में पहुंचकर शरीर को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकते हैं। एंटीबायोटिक प्रतिरोधअब पूरी दुनिया के लिए खतरा बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र ने इसे मानव स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए ₹मूलभूत खतरा₹ करार दिया है। हर साल के कारण करीब 8 लाख मौतें होती हैं।

क्या है कारण ?

- अस्पतालों में भीड़भाड़ और खराब वेंटिलेशन।
- पुराने फर्नीचर और इमारतें।
- एंटीबायोटिक्स के अनियंत्रित इस्तेमाल ने बैक्टीरिया को प्रतिरोधी बना दिया है।

क्या है समाधान?

- संक्रमण रोकने के लिए सख्त नियम लागू करना जरूरी है।
- एंटीबायोटिक्स के इस्तेमाल पर सख्त निगरानी रखनी होगी।
- पर्यावरण में एएमआरकी निगरानी के लिए नई योजनाएं बनानी होंगी।

एशिया पर मंडराने लगे युद्ध के बादल

चीन और अमेरिका में छिड़ सकती है जंग

जैमर्स का मकसद चीन के सैटेलाइट से आने वाली जानकारी को नष्ट करना है

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका और चीन के बीच राजनीतिक, सैन्य, और आर्थिक मोर्चों पर लगातार बढ़ते तनाव के बाद अब अंतरिक्ष में भी दोनों के बीच खींचतान जारी है. अब अमेरिकी स्पेस फोर्स के जरिए एक नया कदम उठाया है, जिसके तहत भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन के सैटलाइट के संचार को बाधित करने के लिए जैमर्स तैनात किए जाएंगे। इस कदम के जरिए अमेरिका चीन के बढ़ते सैटेलाइट नेटवर्क, खासकर उसके याओगन सीरीज सैटेलाइट को निशाना बनाएगा, जो कथित तौर पर लगातार अमेरिका और उसके सहयोगियों की सैन्य गतिविधियों पर निगरानी रख रहे हैं. इन जैमर्स का मकसद चीन के सैटलाइट से आने वाली जानकारी को नष्ट करना है, जिससे चीन की निगरानी क्षमता में कमी आएगी।

चीन के सैटेलाइट नेटवर्क पर सीधा हमला

चीन के याओगन सीरीज सैटेलाइट, जो कि काफी सटीकता के साथ छोटे से छोटे टारगेट, जैसे कि कारों को भी ट्रैक कर सकते हैं. इस सैटेलाइट ने अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए एक नई सुरक्षा चुनौती खड़ी कर दी है. यह सैटेलाइट भारत-प्रशांत क्षेत्र में लगातार निगरानी करते हैं. अमेरिका इस वजह ही अपनी सैन्य गतिविधियों के लिए खतरनाक मानता है।

इलेक्ट्रॉनिक जंग की आशंका

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, अंतरिक्ष सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अमेरिका यह जैमर्स तैनात करता है तो चीन जैमर्स को विकसित करेगा, जिससे एक इलेक्ट्रॉनिक जंग की स्थिति पैदा हो सकती है. जैसे कि रूस ने यूक्रेन जंग में स्टारलिंक सैटेलाइटों को जैम करने की कोशिश की थी. वैसे ही चीन भी अमेरिका के जैमर्स को निशाना बनाने के लिए एंटी-रडार मिसाइलें और ड्रोन तैनात कर सकता है।

संपादकीय

'इंडिया' का भविष्य

दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच विपक्षी दलों के 'इंडिया' पर लगातार सवालिया निशान लग रहे हैं। सवाल उठ रहे हैं कि क्या 'इंडिया' का वजूद खत्म हो जाएगा? इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों के नेताओं के जिस तरह के बयान आ रहे हैं, उससे तो यही लगता है कि इंडिया अब जल्दी ही अतीत बन कर रह जाएगा। वैसे भी कोई गठबंधन हमेशा नहीं रहा। एनडीए में से भी कई बाहर हो चुके हैं। इनमें टीएमएसी, शिवसेना जैसे दल भी शामिल हैं। अतीत पर नजर डालें तो 1977 में कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों ने जनता पार्टी का निर्माण किया था। वह भी दोहरी सदस्यता के सवाल पर महज ढाई साल में टूट गई थी। उसके बाद 1989 में जनता दल बना। वह भी टूट गया था और उसमें से कई क्षेत्रीय निकले। खुद कांग्रेस कई बार टूटी और उसमें से टीएमएसी, एनसीपी जैसे क्षेत्रीय दल बने। कम्युनिस्ट पार्टी कई धड़ों में बंटी। कहने का मतलब यह है कि कोई भी गठबंधन, कोई भी पार्टी हमेशा के लिए एक नहीं रह सकते। इसलिए 'इंडिया' का खत्म होना कोई हैरत की बात नहीं है। जो नेता गठबंधन बनाते हैं, वही उसे तोड़ते भी हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव, अरविंद केजरीवाल, उमर अब्दुल्ला, अखिलेश यादव और उद्धव ठाकरे के बाद अब शरद पवार भी 'इंडिया' पर सवाल उठाने वालों में शामिल हो गए हैं। शरद पवार ने मंगलवार को साफ कर दिया कि विपक्षी दलों का गठबंधन इंडिया राष्ट्रीय स्तर के चुनावों के लिए बना था। विधानसभा चुनाव में इसका कोई मतलब नहीं है। शरद पवार की बात सही लगती है। लोकसभा चुनाव के लिए जो इंडिया गठबंधन बना था, उसने अपना काम कर दिया है। अब भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं है। विशुद्ध रूप से एनडीए की सरकार है। जेडीयू और और तेलुगू देशम के सहारे चल रही है। 18 जुलाई 2023 को बेंगलुरु में इंडिया गठबंधन नींव रखी गई थीकांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अलायंस का अध्यक्ष बनाया गया। लीडरशिप तय होनी थी, जो अब तक नहीं हो पाई है। गठबंधन में शुरुआत में 26 पार्टियां शामिल हुईं। बाद में छोटे-छोटे दल जुड़ते गए। अब इंडिया ब्लॉक में 37 पार्टियां हैं, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में 41 दल हैं। इंडिया गठबंधन में शमिल दलों के रास्ते लगभग अलग हो चुके हैं। जो आप और कांग्रेस लोकसभा चुनाव मिल कर लड़े थे, दिल्ली विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ रहे हैं। इंडिया अब अतीत हो चुका है।

कोई भी गठबंधन, कोई भी पार्टी हमेशा के लिए एक नहीं रह सकते। इसलिए 'इंडिया' का खत्म होना कोई हैरत की बात नहीं है। जो नेता गठबंधन बनाते हैं, वही उसे तोड़ते भी हैं।

पाठकवाणी

कसौटी पर राजनैतिक दल

कड़ाके की ठंड के बीच दिल्ली में चुनावी माहौल से राजनीति गरम है। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) अपने 10 साल के शासन की जवाबदेही की कसौटी पर है जबकि भाजपा सत्ता में वापसी के लिए हाथ पैर मारती नजर आ रही है। अपने लगातार गिरते प्रदर्शन के कांग्रेस दिल्ली में कहीं त्रिकोणीय तो कहीं चतुष्कोणीय मुकाबले में है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और पानी जैसे बुनियादी मुद्दे दिल्ली के चुनाव परिणाम तय करेंगे। दिल्ली में निस्संदेह आप ने विभिन्न योजनाओं के जरिये सुविधाओं का विस्तार किया है लेकिन भ्रष्टाचार और कानूनी विवाद उसकी छवि को कड़ी चुनौती हैं। मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रियों तक का जेल जाना आप को महंगा पड़ सकता है। भाजपा के लिए यह चुनाव करो मरो जैसा है क्योंकि देश की राजधानी में वह पिछले 10 सालों से कमजोर स्थिति में है। कांग्रेस को संभलने में कितना समय लगेगा यह कहना मुश्किल है। चूंकि दिल्ली की जनता समझदार और सुशिक्षित है और वह अपने हित में ही निर्णय लेगी यह तय है। दिल्ली के चुनाव न केवल राजनीतिक दलों की ताकत का परीक्षण होगा, बल्कि जनता की उम्मीदों और प्राथमिकताओं को भी परखेगा। राजनीतिक दलों को जनता की भावनाओं पर खरा उतरना होगा तभी उन्हें पक्ष में मतदान की आस करनी चाहिए। जनता समझदार है।

-अमृतलाल मारू 'रवि', इंदौर

कुछ खास

जब ये सज्जन (केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह) गुजरात में नहीं रह सके, तो उन्हें मुंबई में शरण दी गई। फिर उन्होंने बाला साहेब से उनके घर जाकर सहयोग करने का अनुरोध किया। उद्धव ठाकरे इनके इस बारे में मुझसे ज्यादा बताएंगे।

-शरद पवार, एनसीपी नेता

आज का ट्वीट

''मोदी सर, अब रुपए के साथ किसकी 'आबरू' गिर रही है? अमिताभ बच्चन, जूही चावला अनुपम खेर, शिल्पा शेट्टी, विवेक अग्निहोत्री 'रुपए' का नाम लेने से डरते हैं।''

-राकेश पाठक

प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा

सामयिक

शाहीन सबा

प्रवासी श्रमिकों के लिए काम से परे जीवन की गंभीर वास्तविकताएं तत्काल ध्यान देने और व्यापक समाधान की मांग करती हैं। विचारशील शहरी नियोजन को कार्यस्थलों से आगे बढ़कर प्रवासी श्रमिकों के जीवन के संपूर्ण आयाम को शामिल करना चाहिए, जिससे न केवल रोजगार बल्कि सम्मान, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा भी उपलब्ध हो सके।

भारत के असंगठित कार्यबल का एक महत्वपूर्ण लेकिन कमजोर वर्ग, प्रवासी श्रमिक, अक्सर सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों से बाहर रह जाते हैं। दशकों से कानूनी ढाँचे और सिफारिशों के बावजूद, सामाजिक सुरक्षा तक उनकी पहुँच अपर्याप्त रही है। अंतरराज्यीय प्रवासी कामगार अधिनियम, 1979 में प्रावधान और असंगठित क्षेत्र में राष्ट्रीय उद्यम आयोग (2007) और असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम (2008) द्वारा श्रमिक पंजीकरण के लिए सिफारिशों के बावजूद, ई-श्रम पोर्टल तक प्रवासी श्रमिक आधिकारिक डेटाबेस में काफी हद तक अदृश्य रहे। जबकि ई-श्रम पोर्टल पर 300 मिलियन से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं, उनमें से अधिकांश को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में एकीकृत नहीं किया गया है। मौसमी और परिपत्र प्रवासियों को वंचितता, कलंक, तस्करी और सार्वजनिक सेवाओं तक खराब पहुंच सहित अनूठी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनकी उच्च गतिशीलता सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने को जटिल बनाती है। कई श्रमिकों में डिजिटल साक्षरता या ई-श्रम पंजीकरण और लाभ ट्रैकिंग के लिए आवश्यक उपकरणों तक पहुंच की कमी है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। राज्यों में अक्सर कल्याणकारी योजनाओं का असंगत कार्यान्वयन होता है, जिससे समन्वय सम्बंधी समस्याएँ पैदा होती हैं जो लाभों की पोर्टेबिलिटी को कमजोर करती हैं।

मौजूदा कल्याणकारी योजनाएं जैसे कि मनरेगा, पीएम श्रम योगी मानधन और वन नेशन वन राशन कार्ड अक्सर अलग-अलग तरीके से काम करती हैं, जिससे प्रवासी श्रमिकों के लिए निर्बाध पहुंच में बाधाएं पैदा होती हैं। 2021 में लॉन्च किए गए ई-श्रम पोर्टल का उद्देश्य असंगठित श्रमिकों का दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय डेटाबेस बनाना है। इसमें 300 मिलियन से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं, जिनमें प्रवासियों का एक महत्त्वपूर्ण अनुपात शामिल है। यह कल्याणकारी योजनाओं के लिए श्रमिकों की बेहतर पहचान और लक्ष्यीकरण की सुविधा प्रदान करता है। हालांकि, यह मुख्य रूप से एक 'पंजीकरण अभियान' है जिसका सामाजिक सुरक्षा में समावेश पर सीमित ध्यान है। 2024 में लॉन्च किया गया विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को ई-श्रम पोर्टल के साथ एकीकृत करके पंजीकरण और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच के बीच की खाई को पाटने का प्रयास करता है। इसके लाभों में एकीकृत दृष्टिकोण, लाभों की पोर्टेबिलिटी और पारदर्शी तथा श्रमिक-अनुकूल प्रक्रिया शामिल है। हालाँकि, चिंताओं में मौजूदा योजनाओं का सीमित कवरेज, श्रमिकों में जागरूकता की कमी और अंतर-राज्य समन्वय का कमजोर होना शामिल है। ई-श्रम पोर्टल और ओएसएस प्रवासी श्रमिकों के सामने आने वाली सामाजिक सुरक्षा चुनौतियों को सम्बोधित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। हालाँकि, उनकी सफलता कार्यान्वयन बाधाओं पर काबू पाने, निर्बाध अंतर-राज्य समन्वय सुनिश्चित करने और श्रमिकों के बीच जागरूकता बढ़ाने पर निर्भर करती है।

आंकड़ों के अनुसार, जो लोग आजीविका की तलाश में स्थानीय और क्षेत्रीय सीमाओं के पार जाते हैं, उन्हें अपने मेजबान समाज में स्थायी रूप से बाहरी समझे जाने का अपमान सहना पड़ता है। श्रमिकों को अक्सर टेलीविजन स्क्रीन पर दुखद घटनाओं के पात्र के रूप में दिखाया जाता है, जिससे उनके योगदान और उन्हें प्राप्त मान्यता के बीच का अंतर उजागर होता है। राष्ट्र के बुनियादी ढांचे के पीछे की ताकत होने के बावजूद, राष्ट्रीय महानता के विमर्श में उनकी भूमिका को शायद ही कभी स्वीकार किया जाता है। पॉलिसी शून्य होने के कारण अक्सर असुरक्षित छोड़ दिया जाता है यद्यपि प्रवासी कार्यबल राष्ट्रीय गौरव के प्रत्यक्ष चिह्नों में महत्वपूर्ण योगदान देता है, फिर भी उनके अधिकारों को नियंत्रित करने वाली नीतियों का घोर अभाव है। अंतरराज्यीय प्रवासी कर्मकार अधिनियम, 1979, इस विशाल जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास करने वाला एकमात्र कानून है। हालांकि, आवास, स्वास्थ्य देखभाल, न्यूनतम मजदूरी और भेदभावपूर्ण प्रथाओं की रोकथाम के लिए इसके प्रावधान अक्सर अधूरे रह जाते हैं। प्रवासी श्रमिकों के साथ उनकी मानवता पर विचार किए बिना एक नौकरी मशीन की तरह व्यवहार किया जाता है। सरकारी प्रणालियाँ अक्सर प्रवासी श्रमिकों के सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों और परिवर्तनों की परवाह नहीं करतीं।

प्रवासी श्रमिकों को न केवल कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती बल्कि उन्हें शहर के प्रतिकूल वातावरण में भी संघर्ष करना पड़ता है। शहर सड़कों और इमारतों जैसे निर्माण के लिए प्रवासी श्रमिकों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन इन शहरों में इन प्रवासी श्रमिकों की बुनियादी मानवीय आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त सहायता नहीं होती है। यहां स्वास्थ्य सेवा, वित्तीय सहायता, रहने के लिए अच्छे स्थान, सुरक्षा उपाय या बच्चों की देखभाल की सुविधाएं नहीं हैं। इससे प्रवासी श्रमिकों को सब कुछ खुद ही संभालना पड़ता है। शहरी क्षेत्रों में प्रवासी श्रमिकों के बच्चों की दुर्दशा विशेष रूप से चिंताजनक है। शिशुओं को बड़े बच्चों की देखभाल में छोड़ दिया जाता है, जिनके पास स्वयं सार्थक शैक्षिक गतिविधियों तक पहुंच नहीं होती। इससे असुविधा का एक चक्र निर्मित होता है, जहां शिक्षा के अवसरों की कमी उनके माता-पिता द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों से मुक्त होने की उनकी क्षमता में बाधा डालती है।

प्रवासी श्रमिकों के लिए, एक टूटा हुआ अंग अक्सर कामकाजी जीवन के अंत का संकेत देता है। कार्यस्थल पर लगी चोटों के लिए शायद ही कभी पर्याप्त सहायता या चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो पाती हैं। घायल श्रमिक अपने घर लौटने के लिए बाध्य होते हैं, तथा उपलब्ध स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा प्राप्त करने के लिए प्रयास करते हैं, क्योंकि शहरी क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं तक त्वरित और आवश्यक पहुंच बहुत कम उपलब्ध होती है। गांवों से शहरी क्षेत्रों की ओर मौसमी प्रवास की आवश्यकता, प्रवासी श्रमिकों के समक्ष चुनौतियों को और बढ़ा देती है। शहरी आवास की स्थिति अक्सर बहुत खराब होती है, जिससे शहर का मौसम दुख का एक अतिरिक्त स्रोत बन जाता है।

प्रवासी श्रमिकों के लिए काम से परे जीवन की गंभीर वास्तविकताएं तत्काल ध्यान देने और व्यापक समाधान की मांग करती हैं। विचारशील शहरी नियोजन को कार्यस्थलों से आगे बढ़कर प्रवासी श्रमिकों के जीवन के संपूर्ण आयाम को शामिल करना चाहिए, जिससे न केवल रोजगार बल्कि सम्मान, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा भी उपलब्ध हो सके। बच्चों के लिए शिक्षा के अवसरों की उपेक्षा, घायल श्रमिकों के लिए सहायता की कमी, तथा शहरी आवास की प्रतिकूल परिस्थितियों के लिए लक्षित नीतियों की आवश्यकता है। प्रवासी श्रमिकों के सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों से निपटने के लिए नीतियों की आवश्यकता को रेखांकित करती है। उनकी विविधता का केवल जश्न मनाने के बजाय, उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को समझने और उन्हें पूरा करने के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए। इसके लिए एक ही नीति के दृष्टिकोण से हटकर सूक्ष्म नीतियों की ओर कदम बढ़ाने की आवश्यकता है, जो प्रवासी श्रम शक्ति की जटिलताओं पर विचार करें।

पीएम के साथ परीक्षा पे चर्चा 2025 - अंतिम दिन 14 जनवरी 2025 तक रिकॉर्डतोड़ 3.50 करोड़ से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए

परीक्षाओं की वजह से पैदा होने वाले तनाव को दूर करने एक अनूठा संवादात्मक अवसर

छात्रों अभिभावकों शिक्षकों की जिज्ञासाओं का निराकरण माननीय पीएम करेंगे जो प्रोत्साहन को गौरववित करने वाली बात है-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

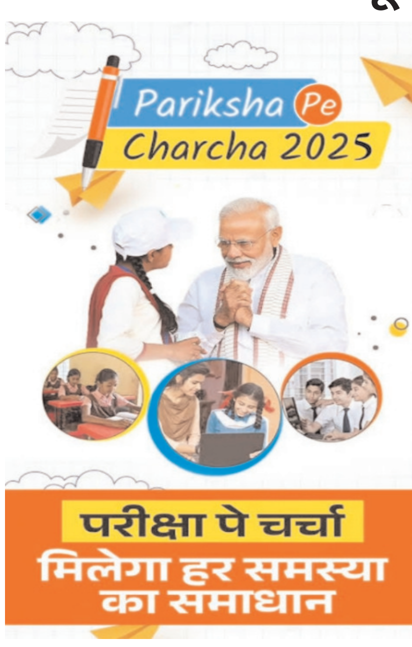

गोंदिया - वर्तमान विशाल डिजिटल युग में शारीरिक तो क्या मानसिक मेहनत करने में भी आलस आने लगा है, क्योंकि की बोर्ड पर एक क्लिक से दुनियाँ की पूरी जानकारी स्क्रीन पर आ जाती है, तो फिर शारीरिक या मानसिक मेहनत करने का क्या औचित्य है? यह सोच न केवल आज के युवाओं पर बल्कि हमारे भविष्य के निमार्ता बच्चों में भी घर करते जा रही है। जब मानसिक मेहनत की बात आती है तो दिसंबर-जनवरी का महीना होने से परीक्षाओं, सेमेस्टर परीक्षाओं और फरवरी से शुरू होने वाली फाइनल परीक्षाओं की घंटी बजती है, जिसमें छात्रों को मानसिक मेहनत कर पेपर में लिखना और ओरल प्रेजेंटेशन देना होता है। यहां कोई, की बोर्ड पर क्लिक या कॉपी पेस्ट से काम नहीं चलता इसलिए छात्रों में परीक्षाओं की वजह से भारी तनाव पैदा हो जाता है और इसे देखकर अभिभावक और शिक्षक भी चिंतित हो जाते हैं कि बच्चों का तनाव कैसे दूर किया जाए? इसी गुत्थी को किसी ताले की चाबी की तरह शिक्षा मंत्रालय द्वारा पिछले 7 वर्षों से प्रतिवर्ष खोली जाती है, जो है परीक्षा पे चर्चा, जिसमें सबसे बड़ी बात माननीय पीएम खुद छात्रों शिक्षकों अभिभावकों को परीक्षा और उसके कारण आने वाले तनाव से मुक्त करने के मंत्र साझा करते हैं, जिसका बहुत अधिक सकारात्मक प्रभाव हमें पिछले वर्षों से देखने को मिला है। मैं स्वयंम भी इस परिचर्चा को पिछले 6 वर्षों से टीवी चैनलों पर ऑनलाइन देखा हूं, जो प्रोत्साहन को गौरववित करने वाली बात है। चूंकि परीक्षा पे चर्चा 2025 की जानकारी पीएम कार्यालय द्वारा पीआईबी और पीएम ट्विटर पर तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के ट्विटर हैंडल से दी गई है, जिसमें शामिल होने की अंतिम तारीख 14 दिसंबर से 14 जनवरी 2025 थी इसलिए हम आज इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, पीएम के साथ परीक्षा पे चर्चा 2025 साथियों बात अगर हम परीक्षा पे चर्चा 2025 में रिकॉर्ड तोड़ 3.50 करोड़ रजिस्ट्रेशन की करें तो, पीएम के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' का हिस्सा बनने के लिए इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में छात्रों, अभिभावकों व शिक्षकों ने अपना पंजीकरण कराया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक अभी तक परीक्षा पे चर्चा में शामिल होने के लिए 3.5 करोड़ से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराए हैं जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। परीक्षा पे चर्चा में रजिस्ट्रेशन कराने वालों में बड़ी संख्या में विदेशी छात्र भी शामिल हैं। रजिस्ट्रेशन की प्रोसेस बंद हो गई है। पीएम की पहल 'परीक्षा पे चर्चा परीक्षा से जुड़े तनाव को कम करने का तरीका सिखाती है. केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का मानना है कि यह पहल परीक्षा को जश्न के पर्व में परिवर्तित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन के रूप में निरंतर प्रगति कर रही है, गौरतलब है कि इस चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री परीक्षा से जुड़े छात्रों के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर देते हैं. इसके साथ ही प्रधानमंत्री छात्रों को यह मार्ग भी दिखाते हैं कि कैसे बिना तनाव और दबाव के परीक्षाओं में शामिल होना है। साथियों बात अगर हम परीक्षा पर चर्चा आठवीं संस्करण की विशेष उपलब्धि की करें तो कार्यक्रम के 8वें संस्करण ने भारत और विदेशों के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से 3.5 करोड़ से अधिक पंजीकरण के साथ एक खास उपलब्धि हासिल की है ।शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह प्रतिक्रिया एक सच्चे जन आंदोलन के रूप में कार्यक्रम की बढ़ती लोकप्रियता को प्रदर्शित करती है। पीपीसी 2025 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण माईगोवडॉटइन पर 14 दिसंबर 2024 से प्रारंभ हुआ और 14 जनवरी 2025 तक जारी रहा। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला यह इंटरैक्टिव कार्यक्रम शिक्षा का एक बहुप्रतीक्षित उत्सव बन गया है ।साल 2024 में इसका 7 वां संस्करण भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में टाउन हॉल प्रारूप में आयोजित किया गया था ।पीपीसी की भावना के अनुरूप, 12 जनवरी 2025 (राष्ट्रीय युवा दिवस) से 23 जनवरी 2025 (नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती) तक स्कूल स्तर पर कई आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इन गतिविधियों का उद्देश्य छात्रों के समग्र विकास को प्रोत्साहन देना और परीक्षाओं को उत्सव के रूप में मनाने के लिए प्रेरित करना है ।इन गतिविधियों में स्वदेशी खेल प्रतियोगिताएं, मैराथन दौड़, मीम प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक, योग और ध्यान सत्र, पोस्टर प्रतियोगिता, प्रेरणादायक फिल्मों का प्रदर्शन, मानसिक स्वास्थ्य कार्यशालाएं और परामर्श सत्र, कविता व गीत आदि शामिल हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा कोदबावपूर्ण गतिविधि के बजाय एक यात्रा के रूप में मनाना सिखाया जाता है ।यह कार्यक्रम पीएम द्वारा छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ परीक्षा से जुड़ी चिंताओं, तनाव और तैयारियों पर चर्चा करने के लिए आयोजित किया जाता है। कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए आयोजित इस इंटरैक्टिव सत्र में पीएम सुझाव और मार्गदर्शन देते हैं ।अभिभावक और शिक्षक भी इस कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। उनके लिए ऑनलाइन कार्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनमें भाग लेकर वे अपना काम जमा कर सकते हैं। सभी प्रतिभागियों को इस कार्यक्रम का भागीदारी प्रमाण पत्र मिलेगा ।इस बार का कार्यक्रम जनवरी 2025 में नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। हालांकि, कार्यक्रम की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। रजिस्ट्रेशन के दौरान, छात्र 500 शब्दों में अपना प्रश्न प्रधानमंत्री मोदी को भेज सकते हैं। चुनिंदा प्रतिभागियों को कार्यक्रम में प्रधानमंत्री से सीधे सवाल पूछने का अवसर भी मिलेगा। मुख्य कार्यक्रम में शामिल होने के लिए चयनित 2500 छात्रों को शिक्षा मंत्रालय द्वारा विशेष पीपीसी किट प्रदान की जाएगी। इसमें भाग लेने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन जरूरी है। जिन छात्रों के पास इंटरनेट की सुविधा, ईमेल आईडी या मोबाइल नंबर नहीं है,वे परीक्षा पेचर्चा 2025 में शिक्षक ऑप्शन के जरिए भाग ले सकते थे। एक शिक्षक रजिस्टर करने के बाद अपनी आईडी से लॉगिन करके एक बार में एक या ज्यादा स्टूडेंट्स की डीटेल सबमिट कर सकता था ।इसके लिए कोई फीस नहीं ली गई थी। फ्री में रजिस्टर कर सकते हुआ । सही तरीके से रजिस्टर करने के बाद ही हमको पीएम के साथ प्रोग्राम में हिस्सा लेने का मौका मिल सकेगा।

-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

तीखी नजर

एप पर जागत है एप पर ही सो जात

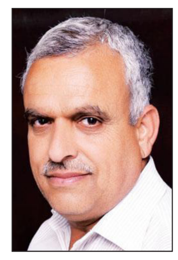

अशोक गौतम

गया वो बचपन जब दादा दादी, नाना नानी को घोड़ा बनाकर उनकी पीठ पर सवारी किया करते था। गया वो जमाना पिता के कंधे पर सवारी का आनंद लेते दूर दूर तक देखा करता था, पिता से भी बहुत आगे तक। गया वो जमाना जब मां की गोद में मां की थपथपियों के बीच लोरियां आंख बंद कर सोने का नाटक करते सुनी जाती थीं। गया वो जमाना जब बहन भाई की पीठ का आनंद लिया करती थी। जमाना बदला तो दादा दादी, नाना नानी, पिता, भाई की पीठ के बदले नाती, पोता, बेटा, बहन छोटे छोटे यार दोस्त दोस्तों की पीठ की सवारी करने के बदले लकड़ी के घोड़े की सवारी करने लगे। फिर जमाना बदला तो लकड़ी के घोड़े की सवारी के बदले अपनी उम्र के हिसाब से वॉकर का सवार हो गए और दादा दादी, नाना नानी, पिता, भाई बहन, दोस्त की उंगली पकड़ कर चलना सीखने के बदले वॉकर पर सवार हो चलना सीखने लगे।

फिर जब मीडिल क्लास के बाप की जेब में कुछ एकस्ट्रा पैसे आए तो कुछ लोन शोन का जुगाड़ कर बाप साइकिल, मोटर साइकिल पर अपने बच्चे को सवार कर उसे जिंदगी की रेस में रेस लगाना सिखाने लगे। अब दिन एप की सवारी के हैं। एप पर सवार ख्वारी के हैं। बच्चा पैदा होते ही मां की गोद में नहीं, एप की गोद में जाकर लोरियां सुनता सोता है। अब बच्चा एप की उंगलियां पकड़ चलना सीखता है। अब बच्चा एप के कंधे पर सवार होकर दुनिया देखता है। आज न किसी को अपनी पीठ की सवारी कराने का किसीके पास वक्त है और न किसीके पास किसीकी पीठ की सवारी करने का।

आज नाती पोते से लेकर दादा, नाना तक जिसे देखो, बस, सबके सब एप की पीठ पर सवार। जिसके सिर भी देखो, बस, एप का भूत सवार। कहीं घूमने जाना हो तो घूमने जाने से पहले एप पर सवार हो वहां घूम आए। जिसे ढूंढना हो एप पर सवार होकर उसे ढूंढ लाए। कोई जगह पसंद आई एप के थ्रू वहां सबकुछ बुक कर लिया। जो भूख लगी तो रसोई के बदले एप पर गए और मां के हाथों के खाने से भी लजीज खाना हाजिर! कहीं किसीसे दोस्ती करनी हो तो झट से एप पर सवार हुए और निकल गए किसीसे भी दोस्ती करने।

अब एप की सवारी कीजिए और जिंदगी के मजे लीजिए। प्रेम से लेकर प्यार, मनुहार सब एप पर। अब शादी ब्याह के लिए कोई बिचौलिया नहीं। एप पर गए और ढूंढ लिया मन चाहा वर। एप है तो क्या गम है। एप है तो गांव स्वर्ग सिधारे बाप को अपने बेटे के हाथों मुखाग्नि दिलवा स्वर्ग जाने की रत्ती भर भी नहीं टेंशन है। एप पर पंडितजी हाजिर। एप पर प्रभु के लाइव दर्शन! एप पर प्रभु का प्रसाद। एप प समाज की शांति , एप पर समाज का प्रमाद, उन्माद। आज जीव के पास भले ही हर चीज की कमी हो, पर एप की कोई कमी नहीं है। फाइनेंस सेट करना है तो बस, अपने मोबाइल के एप को टच भर करने की जरूरत है। एप जन्मघुट्टी है। एप नौकरी है, एप छुट्टी है। एपिया जिंदगी कुछ सच्ची है, बहुत कुछ झुट्टी है। एप पर ही जागत है, एप पर सो जात।

मेदवेदेव और रूणे ने जीते मैच

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मेदवेदेव ने पहले राउंड में गुस्से में नेट पर लगा कैमरा तोड़ा

● मेलबर्न,

रूस के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मुश्किल शुरुआती राउंड में संयम खोते हुए नेट पर लगे कैमरे को अपने रैकेट से तोड़ दिया। मेदवेदेव ने बाद में धैर्यपूर्ण तरीके से खेले हुए यह मुकाबला जीत लिया।

यहां दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव ने दुनिया में 418वें नंबर के प्रतिद्वंद्वी थाईलैंड के कासिडित समरेज खिलाफ तनावपूर्ण संघर्ष के दौरान पांच सेटों में 6-2, 4-6, 3-6, 6-1, 6-2 से हराया। नेट पर लगे कैमरे को तोड़े जाने की यह घटना उस समय हुई जब तीसरे सेट के आखिर समरेज ने सर्विस करके मैच में 2-1 से बढ़त बना ली तो मेदवेदेव ने अपना संयम खो दिया। इसके बाद चेयर अंपायर ने मेदवेदेव को रैकेट के दुरुपयोग के लिए चेतावनी दी।

रूणे ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के रोमांचक मुकाबले में झांग को हराया

डेनमार्क के स्टार टेनिस खिलाड़ी होल्गर रूणे ने मंगलवार को पांच सेटों तक चले रोमांचक मुकाबले में चीन के झांग झिझेन को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के दूसरे दौर में जगह बना ली है। यहां मार्गरेट कोर्ट एरिना में तीन घंटे दस मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मकाबले में होल्गर रूणे ने झांग झिझेन पर 4-6, 6-3, 6-4, 3-6, 6-4 से जीत दर्ज की। अगले दौर में रूणे का मुकाबला इटली के माटेओ बेरेटिनी से होगा।

बोपन्ना-निकोलस की जोड़ी पुरुष युगल के पहले दौर में हारी

भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और कोलंबिया के निकोलस बैरिएंटोस की जोड़ी मंगलवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन पहले दौर में स्पेन की पेड्रो मार्टिनेज और जाउमे मुनार की जोड़ी से हारकर युगल स्पर्धा से बाहर हो गई। यहां करीब दो घंटे तक चले मुकाबले में बोपन्ना और बैरिएंटोस की जोड़ी को मार्टिनेज और मुनार की जोड़ी से 5-7, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा। मैच की शुरुआत में भारत और कोलंबिया की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की थी लेकिन वे आखिरी समय तक अपनी लय कायम नहीं रख सके और मुकाबला हार गए। पहले सेट में स्पेन की जोड़ी ने महत्वूपर्ण अंक अर्जित कर जीत दर्ज की। वहीं दूसरे सेट में भी मुकाबला बराबरी पर चल रहा था अंततः स्पेनिश जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की।

सार संक्षेप

भारतीय महिलाओं ने दक्षिण कोरिया को 157 अंकों से हराकर रचा इतिहास

नई दिल्ली : भारतीय महिला टीम ने मंगलवार को खो खो विश्वकप के अपने पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 175-18 से ऐतिहासिक जीत की। रात इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में भारतीय महिला टीम ने बेहतरीन ड्रीम रन और शानदार रक्षात्मक रणनीतियों के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन करते टूर्नामेंट में पहली जीत हासिल की। भारतीय टीम के आगे दक्षिण कोरिया की टीम संघर्ष करती नजर आई। चैत्रा बी, मीरू और कप्तान प्रियंका इंगले ने लगातार ड्रीम रन बनाकर भारतीय टीम के लिए लय बनाई। पहले दो बैच ने एक-एक अंक अर्जित किया। इस रणनीतिक शुरुआत ने दक्षिण कोरिया द्वारा पहले टर्न के अंत में हासिल किए गए 10 टचपॉइंट को बेअसर करने में मदद की। अपने हक में हालात के आते ही भारतीय टीम ने पूरी ताकत से हमला किया। नसरीन शेख, प्रियंका इंगले और रेशमा राठौड़ की गतिशील तिकड़ी के नेतृत्व में, केवल नब्बे सेकंड में, टीम ने डिफेंडरों के खिलाफ तीन ऑल आउट जीत हासिल की, जिससे स्कोर 24 हो गया। केवल 18 सेकंड बाद, उन्होंने दक्षिण कोरिया पर चौथा ऑल आउट किया, जिससे उनकी बढ़त 22 अंकों की हो गई। रेशमा राठौड़ ने प्रभावशाली छह टचपॉइंट के साथ शानदार प्रदर्शन किया, जबकि मीनू ने अन्य डाइव के माध्यम से 12 अंकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया, जिससे टीम का स्कोर काफी बढ़ गया। दूसरे टर्न के आखिर तक भारतीय टीम ने 16 बैचों को खत्म कर दिया, जिससे स्कोर 94-10 हो गया।

हॉकी में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने दिल्ली एसजी पाइपर्स को 1-0 से हराया

रांची : श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने मंगलवार को महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में दिल्ली एसजी पाइपर्स के खिलाफ 1-0 से मामूली अंतर से जीत दर्ज की। यहां रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में कैथरीन मुलान (23') ने दूसरे क्वार्टर में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के लिए गोल दाग कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद बंगाल टाइगर्स ने बढ़त को कायम रखने के लिए जी-जान से संघर्ष किया। दिल्ली एसजी पाइपर्स ने पहले क्वार्टर में पांच मिनट शेष रहते दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए लेकिन ग्रेस ओ'हैनलॉन ने शानदार बचाव करते हुए दिल्ली के प्रयास विफल कर दिये। टाइगर्स ने क्वार्टर के आखिरी मिनट में पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, लेकिन गोल करने में विफल रहे। दिल्ली एसजी पाइपर्स ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये लेकिन स्टेफनी डी ग्रूफ के शॉट को ग्रेस ओ'हैनलॉन ने फिर से रोक दिया। पाइपर्स ने तीसरे क्वार्टर में अपनी गति और बढ़ा दी, जिसमें नवनीत कौर ने ओपन प्ले और पेनल्टी कॉर्नर से गोल करने का प्रयास किया लेकिन वह अंतिम समय तक गोल करने में विफल रहीं।

रोहित ने वानखेड़े स्टेडियम में बहाया पसीना

● मुंबई,

खराब फार्म से जूझ रहे भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने 23 जनवरी से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे राउंड की शुरुआत से पहले मंगलवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई की टीम के साथ दो घंटे तक अभ्यास किया।

रोहित छठे राउंड में जम्मू कश्मीर के खिलाफ होने वाले मैच से पहले एक सप्ताह तक अभ्यास करेंगे। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह मैच में खेलेंगे या नहीं। मुख्य कोच ओमकार साल्वी की सलाह से ग्रुप के साथ प्रशिक्षण लेने की उनकी उत्सुकता को देखते हुए ऐसा माना जा रहा है कि वह कम से कम दो शेष मैचों में से एक के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन इस सप्ताह के आखिर में टीम की घोषणा कर सकती है।

वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई की टीम के साथ दो घंटे तक अभ्यास किया

रोहित की अपनी प्रथम श्रेणी टीम के साथ ऐसे समय वापसी हुई जब कि उनके टेस्ट भविष्य को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। सिडनी टेस्ट के बाद भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट खिलाड़ियों के लिए घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अधिक से अधिक खेलने के महत्व पर बल दिया था। उन्होंने कहा था कि खेल में बहुत सी चीजे बदलती हैं।

फॉर्म बदलती हैं, लोग बदलते हैं, रवैया बदलता है। खेल में सब कुछ बदल जाता है और हम सभी जानते हैं कि पांच महीने का समय बहुत लंबा होता है।

पंजाब की रणजी टीम के लिए उपलब्ध रहेंगे गिल

● नई दिल्ली,

खराब फॉम से जूझ रहे भारतीय टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल ने 23 जनवरी से बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में पंजाब के कर्नाटक के साथ छठे दौर के रणजी ट्रॉफी मुकाबले के लिए उपलब्ध रहने की पुष्टि की है।

रणजी ट्रॉफी के छठे दौरे के लिए पंजाब ने टीम की घोषणा नहीं की है। अगर पंजाब की टीम में गिल की वापसी होती है तो उन्हें रणजी इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी और पंजाब के कोच के साथ काम करने का अवसर प्राप्त होगा। भारतीय टीम को गर्मियों में इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट मैच खेलने है। टीम में वापसी को लेकर गिल को अपनी फार्म में सुधार करना होगा। पंजाब के लिए गिल आखिरी बार 2022 में रणजी ट्रॉफी में खेले थे। पंजाब टीम वर्तमान में ग्रुप ए में पांच मैचों में एकमात्र जीत के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप खिताब जीतने को लेकर निकी आश्वस्त

● कुआलालंपुर,

भारत की अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम की कप्तान निकी प्रसाद ने कहा कि टीम मलेशिया में होने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप 2025 में हम शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीतने को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हैं।

निकी ने कुआलालंपुर के प्रतिष्ठित पेट्रोनास ट्विन टावर्स में कैप्टन्स डे पर 16 अन्य टीमों के कप्तानों के साथ ट्रॉफी के साथ फोटो खिंचवाये जाने के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि ट्रॉफी को देखते हुए मैं अपने साथियों के साथ 2023 में भारतीय टीम द्वारा जीती गई ट्रॉफी को इस बार फिर से पाने के लिए उत्साहित हूं। उन्होंने कहा कि कैप्टन्स डे पर आना और अन्य 15 कप्तानों से मिलना एक शानदार अनुभव था, और कुआलालंपुर में टावरों के सामने ऐसा करना इसे और भी खास बनाता है। इस दौरान टूर्नामेंट में पदार्पण करने जा रहे समाओ की टीम की कप्तान एवेटिया फेटू मापू ने इस विस्मयकारी क्षण और ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर की। मापू ने कहा कि यह एक अच्छी मुलाकात थी, अन्य लड़कियों से मिलना अविश्वसनीय रहा। मेरा दबाव थोड़ा कम हुआ। उन्होंने कहा कि यह अनुभव अच्छा था। यह सभा 18 जनवरी को शुरू होने वाले ग्रुप स्टेज मैचों से पहले सभी 16 कप्तानों के लिए एक जगह पर एकत्रित होने का एकमात्र अवसर था। टूर्नामेंट में 41 मैच खेले जाएंगे। प्रत्येक समूह से शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स चरण में जाएंगी। ग्रुप मैचों से प्राप्त अंकों के आधार पर टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। प्रत्येक सुपर सिक्स समूह से शीर्ष दो टीमें पहले स्थान पाएंगी। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला दो फरवरी को होगा।

बुमराह-सदरलैंड बने प्लेयर ऑफ द मंथ

● दुबई,

भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के खिताब से नवजा गया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को दिसंबर 2024 के प्लेयर ऑफ द मंथ की घोषणा की। बुमराह ने पैट कमिंस और डेन पैटर्सन को पछाड़कर यह पुरस्कार जीता। उन्हें दूसरी बार पुरुष वर्ग में आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' चुना गया है। आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर सदरलैंड ने स्मृति मंधाना और एन म्लाबा को पीछे छोड़ते हुए यह पुरस्कार जीता है। उनको भी दूसरी बार महिला वर्ग के आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के खिताब से नवजा गया है। बुमराह ने दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के तीन मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14.22 की औसत से 22 विकेट लिए थे। वहीं आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर सदरलैंड ने दिसंबर में भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में एक शतक के साथ 122 रन बनाए थे तथा छह विकेट लिए थे। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ दो एकदिवसीय मैचों में 147 रन बनाने के साथ ही तीन विकेट झटके थे। पुरस्कार जीतने के बाद बुमराह ने कहा कि दिसंबर के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर मैं रोमांचित हूं। व्यक्तिगत रूप से पुरस्कृत होना हमेशा अच्छा होता है और अपने प्रयासों के लिए पहचाना जाना हमेशा अच्छा लगता है। आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर सदरलैंड ने कहा कि दिसंबर हमारे लिए एक शानदार रहा और टीम की सफलता में योगदान दे पाना अच्छा रहा।

पेरिस ओलंपिक के मेडल्स का पांच महीने में रंग उतरा

100 से ज्यादा खिलाड़ियों ने शिकायत की, आईओए बोला- हम नया मेडल देंगे

नई दिल्ली, पेरिस ओलंपिक 2024 के मेडल 5 महीने में ही रंग छोड़ने लगे हैं। इनमें भारत के मेडलिस्ट के मेडल भी शामिल हैं। पेरिस में ब्रॉन्ज जीतने वाले सरबजोत सिंह ने बताया कि उनका मेडल भी रंग छोड़ रहा है और खराब हो गया है। उन्होंने कहा कि हर मेडलिस्ट के साथ ऐसा हुआ है।

फ्रांसीसी ऑनलाइन मीडिया आउटलेट ला लेट्रे के अनुसार, दुनिया भर के 100 से ज्यादा खिलाड़ियों ने पेरिस ओलंपिक कमेटी से मेडल के खराब होने की शिकायत की है। हालांकि, इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओए) ने खराब मेडल को बदलने की बात कही है। मेडल बनाने वाली संस्था मोनने डी पेरिस के एक प्रवक्ता ने कहा है कि मेडल 'डिफेक्टिव' नहीं हैं। जो रंग छोड़ रहे हैं। उन्हें अगस्त से ही बदल रहे हैं और आगे भी जारी रखेंगे। आईओसी ने कहा कि हम मेडल बनाने वाली कंपनी मोनने डी पेरिस के साथ काम कर रहे हैं। जल्दी सभी खिलाड़ियों के मेडल बदल दिए जाएंगे। यह काम अगले कुछ हफ्तों में शुरू हो जाएगा। पेरिस ओलंपिक के मेडल ऐतिहासिक एफिल टावर के लोहे के टुकड़े से बनाए गए थे। जब आखिरी बार एफिल की रिपेयरिंग की गई, तो उससे कई लोहे के टुकड़ों को निकाल दिया गया था। मेडल के ऊपरी भाग पर करीब 18 ग्राम लोहे से एक हेक्सागोन बनाया गया था।

ऑस्ट्रेलिया की जीत में चमकीं एलिस पेरी

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने दूसरे वनडे में इंग्लैंड की टीम को 21 रन से हराया

● मेलबर्न,

एलिस पेरी (60) की शानदार बल्लेबाजी के बाद अलाना किंग (चार विकेट) और किंग गार्थ (तीन विकेट) बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने मंगलवार को दूसरे एकदिसवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को 21 रनों से हरा दिया है।

ऑस्ट्रेलिया के 180 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और उसने पहला विकेट आठ रन के स्कोर पर टैमी बोमॉन्ट (03) का विकेट गवां दिया। बोमॉन्ट को कि गार्थ ने पगबाधा आउट किया। इसके मैया बाउचियर (17) को भी किम गार्थ ने आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान हीथर नाइट और नेट सायबर ब्रंट ने पारी को संलाने का प्रयास किया। 16वें ओवर में एश्ली गार्डनर ने हीथर नाइट (18) को अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर पवेलियन भेज दिया। अगले ही ओवर में अलाना किंग ने डेनियल वॉयट (00) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को चौथी सफलता दिलाई। 23वें ओवर में 84 के स्कोर पर किंग ने नैट सायबर ब्रंट (35) को भी अपना शिकार बना लिया। 36वें ओवर में गार्थ ने एलिस कैप्सी को पगबाधा आउट कर मैच पर ऑस्ट्रेलिया की पकड़ मजबूत कर दी। ऐमी जोंस ने इंग्लैंड के लिए (नाबाद 47) रनों की पारी खेली। मेगन शूट ने 49वें ओवर की पहली गेंद पर लॉरेन बेल (01) को बोल्ड कर इंग्लैंड की पारी का 159 के स्कोर पर अंत कर दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर किम गार्थ ने तीन विकेट लिए। अलाना किंग को चार विकेट मिले। एश्ली गार्डनर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 43 के स्कोर परअपने दो विकेट गवां दिए। अलिसा हीली (29) और फीबी लिचफिल्ड (29) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद नियमित अंतराल पर ऑस्ट्रेलिया के विकेट गिरते रहे। हालांकि इस दौरान ऐलिस पेरी ने एक छोर थामे खड़ी रही। बेथ मूनी (12), ऐनाबेल सदरलैंड (11) और अलाना किंग (13) रन बनाकर आउट हुई। ऐलिस पेरी ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे अधिक (60) रनों की पारी खेली। 29वें ओवर में उन्हें कैप्सी ने पगबाधा आउट किया। इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे ऑस्ट्रेलिया ने अपने आखिरी सात विकेट 34 रन जोड़ कर गवां दिए। ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 44.3 ओवर में 180 के स्कोर पर सिमट गई। इंग्लैंड के लिए सोफी एकल्सटन ने चार विकेट लिए। ऐलिस कैप्सी को तीन विकेट मिले। लॉरा बेल ने दो और लॉरेन फाइनलर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)